page 1 and 8 jan 26_page 1 Mar 25 final ds.qxd 1/26/2026 12:14 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर जम्मू में ईपीआईसी वितरण कार्यक्रम आयोजित

5 बांग्लादेश का समर्थन करन पर पाकिस्तान से नाराज आईसीसी, हो सकती है सख्त कार्रवाई

8 राष्ट्रीय मतदाता दिवस-युवाओं से मतदान में सक्रिय भागीदारी की अपील

मौसम जम्मू न्यूनतम 9 अधिकतम 14

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-24 | जम्मू तवी, सोमवार 26 जनवरी, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

हमारे संविधान में निहित न्याय, स्वतन्त्रता, समता और बंधुता के आदर्श हमारे गणतन्त्र को परिभाषित करते हैं: राष्ट्रपति

नई दिल्ली, 25 जनवरी। मेरे प्यारे देशवासियो, नमस्कार! देश और विदेश में रहने वाले, हम भारत के लोग, उत्साह के साथ, 77वां गणतंत्र दिवस का उत्सव मनाने जा रहे हैं। मैं, आप सभी को गणतन्त्र दिवस के राष्ट्रीय पर्व की हार्दिक बधाई देती हूं। गणतन्त्र दिवस का पावन पर्व हमारे अतीत, वर्तमान और भविष्य में देश की दशा और दिशा का अवलोकन करने का अवसर होता है। स्वाधीनता संग्राम के बल पर, 15 अगस्त 1947 के दिन से, हमारे देश की दशा बदली। भारत स्वाधीन हुआ। हम अपनी राष्ट्रीय नियति के निर्माता बने। 26 जनवरी 1950 के दिन से, हम अपने गणतन्त्र को, संवैधानिक आदर्शों की दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं। उसी दिन, हमने अपने संविधान को पूरी तरह से लागू किया। लोकतन्त्र की जननी, भारतभूमि, उपनिवेश के विधि-विधान से मुक्त हुई और हमारा लोक-तंत्रात्मक गणराज्य अस्तित्व में आया। हमारा संविधान, विश्व इतिहास में आज तक के सबसे बड़े गणराज्य का आधार-ग्रंथ है। हमारे संविधान में निहित न्याय, स्वतन्त्रता, समता और

बंधुता के आदर्श हमारे गणतन्त्र को परिभाषित करते हैं। संविधान निर्माताओं ने राष्ट्रीयता की भावना तथा देश की एकता को संवैधानिक प्रावधानों का सुदृढ़ आधार प्रदान किया है। लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने हमारे राष्ट्र का एकीकरण किया। पिछले वर्ष 31 अक्तूबर को, कृतज्ञ देशवासियों ने उत्साहपूर्वक उनकी 150वीं जयंती मनाई। उनकी 150वीं जयंती के पावन अवसर से जुड़े स्मरण-उत्सव मनाए जा रहे हैं। ये उत्सव देशवासियों में राष्ट्रीय एकता तथा गौरव की भावना को मजबूत बनाते हैं। उत्तर से लेकर दक्षिण तक तथा पूर्व से लेकर पश्चिम तक, हमारी प्राचीन सांस्कृतिक एकता का ताना-बाना हमारे पूर्वजों ने बुना था। राष्ट्रीय एकता के स्वरूपों को जीवंत बनाए रखने का प्रत्येक प्रयास अत्यंत सराहनीय है। पिछले वर्ष, 7 नवंबर से, हमारे राष्ट्रीय गीत 'वन्दे मातरम्' की रचना के 150 वर्ष सम्पन्न होने के उत्सव भी मनाए जा रहे हैं। भारत माता के दैवी स्वरूप की वंदना का यह गीत, जन-मन में राष्ट्र-प्रेम का संचार करता है। राष्ट्रीयता के महाकवि सुब्रमण्य भारती ने तमिल भाषा में 'वन्दे मातरम् येन्बोम्' अर्थात 'हम वन्दे मातरम् बोलें' इस गीत की रचना करके वन्दे मातरम् की भावना को और भी व्यापक स्तर पर जनमानस के साथ जोड़ा। अन्य भारतीय भाषाओं में भी इस गीत के अनुवाद लोकप्रिय हुए। श्री ऑरोबिंदो ने 'वन्दे मातरम्' का अंग्रेजी अनुवाद किया। ऋषितुल्य बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित 'वन्दे मातरम्' हमारी राष्ट्र-वंदना का स्वर है। आज से दो दिन पहले, यानी 23 जनवरी को देशवासियों ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती के दिन उन्हें सादर श्रद्धांजलि अर्पित की।

आइए हम जम्मू-कश्मीर को विकास और समृद्धि की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए खुद को प्रतिबद्ध करें : उपराज्यपाल

जम्मू ,25 जनवरी। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के संदेश का पाठ इस प्रकार है। हमारे प्यारे देश के 77वें गणतंत्र दिवस के शुभ और महत्वपूर्ण अवसर पर, मैं जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के हर नागरिक को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

मैं अपने गणतंत्र के दूरदर्शी निर्माताओं को सम्मानपूर्वक नमन करता हूं, जिनकी असाधारण बुद्धिमत्ता, साहस और बलिदान ने हमें आज़ादी दिलाई और हमें एक ऐसा संविधान दिया जो न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के शाश्वत आदर्शों पर आधारित है। ये स्थायी सिद्धांत और मूल्य हमारी संस्कृति को बनाए रखते हैं और उन लोकतांत्रिक और समाजवादी आदर्शों को मजबूत करते हैं जो हमारे राष्ट्र को परिभाषित करते हैं। मैं हमारे समर्पित श्रमिकों, किसानों, डॉक्टरों, इंजीनियरों, इनोवेटर्स, उद्यमियों, शिक्षकों, छात्रों, युवाओं, महिलाओं, व्यापारियों, कलाकारों, लेखकों, उद्योगपतियों और नागरिक समाज के स्वयंसेवकों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। अपनी अटूट प्रतिबद्धता और अथक प्रयासों से, वे हमारे लोकतंत्र को मज़बूत कर

रहे हैं और पूरे केंद्र शासित प्रदेश में सर्वांगीण प्रगति को आगे बढ़ा रहे हैं।मैं हमारे सशस्त्र बलों, अर्धसैनिक बलों और जम्मू-कश्मीर पुलिस के बहादुर कर्मियों की विशेष प्रशंसा करता हूं। उनकी अटूट सतर्कता, साहस और बलिदान हमारे लोगों के लिए एक ढाल की तरह हैं, जो हमें शांति, सुरक्षा और सद्भाव के माहौल में रहने में सक्षम बनाते हैं। मैं सशस्त्र बलों, पुलिस, अर्धसैनिक इकाइयों और नागरिक प्रशासन के सभी सदस्यों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अपने कर्तव्य, समर्पण और बहादुरी से राष्ट्र का गौरव बढ़ाया। पहलगाम में क्रूर आतंकवादी हमले के बाद, ऑपरेशन सिंदूर भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांत में एक निर्णायक क्षण के रूप में उभरा। भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि उसकी धरती पर किसी भी आतंकवादी हमले को युद्ध का कार्य माना जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी; यह भारत के रणनीतिक संकल्प की घोषणा थी। मैं भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के कर्मियों द्वारा दिखाए गए अनुकरणीय साहस और व्यावसायिकता की भी प्रशंसा करता हूं। ऑपरेशन महादेव के माध्यम से, उन्होंने हमले में शामिल तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों को खत्म कर दिया और हमारी माताओं और बहनों की गरिमा के लिए न्याय दिलाया।मैं पिछले अक्टूबर-नवंबर में देशव्यापी आतंकी नेटवर्क का पर्दाफाश करने और समय पर कई हमलों को रोकने के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस की भी सराहना करता हूं। वे भारत के सच्चे नायक हैं, और मुझे उन पर गर्व है। नए उद्देश्य और सामूहिक दृढ़ संकल्प के साथ, आइए हम जम्मू-कश्मीर को विकास और समृद्धि की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए खुद को प्रतिबद्ध करें

जम्मू-कश्मीर पुलिस के 52 अधिकारियों और कर्मियों को वीरता एवं सेवा पदक

जम्मू, 25 जनवरी। गणतंत्र दिवस पर जम्मू-कश्मीर पुलिस के 52 अधिकारियों और कर्मियों को वीरता एवं सेवा पदक से सम्मानित किया गया है। राज्य के 17 अधिकारियों को सराहनीय सेवा पदक, 33 कर्मियों को वीरता पदक से सम्मानित किया गया है, जबकि उप महानिरीक्षक रैंक के दो अधिकारियों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया गया है। सेवा पदक से सम्मानित होने वालों में तीन पुलिस महानिरीक्षक मोहम्मद सुलेमान चौधरी, सुजीत कुमार और विवेक गुप्ता हैं।सूची में पुलिस उपाधीक्षक हिम्मत सिंह, चंपा देवी शर्मा और खुशवंत सिंह, इंस्पेक्टर अनिल शर्मा, डीएसपी गुरमीत सिंह, इंस्पेक्टर रियाज़ अहमद लंगू, सहायक सब-इंस्पेक्टर शाम लाल, हेड कांस्टेबल गोपाल सिंह, इंस्पेक्टर सरदार सिंह, नीरज कुमार कौल और मुश्ताक अहमद भट, कांस्टेबल तौहीद अहमद ठाकर और शुभ कुमार, सहायक सब-इंस्पेक्टर बलविंदर सिंह बाली शामिल हैं।पुलिस उपाधीक्षक हसीब मुगल और निशा नय्याल को राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया गया। साथ ही जम्मू-कश्मीर पुलिस के 33 कर्मियों को कर्तव्य के दौरान वीरतापूर्ण कार्यों के लिए वीरता पदक से सम्मानित किया गया। पुरस्कार पाने वालों में पुलिस उपाधीक्षक जावेद अहमद लोन, मोहम्मद अशरिफ और मोहन लाल, इंस्पेक्टर यूनिस खान, सहायक सब-इंस्पेक्टर दविंदर कुमार, हेड कांस्टेबल शबीर अहमद नखारू, और विभिन्न रैंकों के कई अन्य अधिकारी और कर्मी शामिल है।

एस जयशंकर ने अमेरिकी सांसदों से मुलाकात की; द्विपक्षीय संबंधों और इंडो-पैसिफिक पर हुई चर्चा

नई दिल्ली 25 जनवरी। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को नई दिल्ली में अमेरिकी कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। इस मुलाकात में माइक रोजर्स, एडम स्मिथ और जिमी पैट्रोनिस के साथ भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर भी शामिल थे। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में विकास और चल रहे यूक्रेन संघर्ष पर चर्चा की। इस मुलाकात की जानकारी विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर देते हुए लिखा, 卐अमेरिकी डेलीगेशन के साथ अच्छी बातचीत हुई, जिसमें प्रतिनिधि माइक रोजर्स, रिप्रेजेंटेटिव एडम स्मिथ और जिमी पैट्रोनिस के साथ-साथ भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर शामिल थे। भारत-अमेरिका संबंधों, इंडो-पैसिफिक और यूक्रेन विवाद के अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा हुई। कांग्रेसनल बातचीत हमेशा हमारे रिश्ते का एक अहम पहलू रही है। बता दें, इससे पहले 18 जनवरी को विदेश मंत्री जयशंकर ने अमेरिकी सीनेटर स्टीव डेन्स से मुलाकात की थी और द्विपक्षीय संबंधों और इसके रणनीतिक महत्व पर चर्चा की। बैठक के बारे में ईएएम ने जानकारी देते हुए लिखा, आज सुबह दिल्ली में सीनेटर स्टीव डेन्स से मिलकर खुशी हुई। हमारे द्विपक्षीय संबंधों और इसके स्ट्रेटेजिक महत्व पर बड़े पैमाने पर और खुली चर्चा हुई।

जम्मू मंडल ने कश्मीर घाटी के लिए पहली पूर्ण रैक (42 वैगन) में चावल पहुंचाया

जम्मू,, 25 जनवरी । कश्मीर घाटी की खाद्य सुरक्षा और लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। पंजाब के संगरूर रेल टर्मिनल से अनंतनाग गुड्स शेड तक खाद्यान्न (चावल) की पहली पूर्ण रेलवे रैक (42 वैगन) का सफल संचालन किया गया। इससे पहले घाटी में केवल 'मिनी रैक' (21 वैगन, 1,384 टन क्षमता) ही आती थी। इस पूर्ण रैक में 42 वैगन शामिल थे जिसमें कुल 2,768 मीट्रिक टन चावल पहुंचाया गया। यह खेप 21 जनवरी को लोड हुई और 24 घंटे से भी कम समय में अनंतनाग पहुँच गई।जो आपूर्ति श्रृंखला में अभूतपूर्व दक्षता को दर्शाता है। खराब मौसम के कारण अनलोडिंग में थोड़ी देरी हुई लेकिन आज सभी हैंडलिंग कार्य सफलतापूर्वक पूरे किए गए। इस उपलब्धि से घाटी में वितरण नेटवर्क में क्रांतिकारी बदलाव आएगा। पूर्ण-क्षमता वाले रेलवे वैगन अपनाने से लागत में कमी।आपूर्ति में स्थिरता और पर्यावरणीय लाभ सुनिश्चित होंगे।

तिरंगा फहराने से पहले जरूरी खास बातें

तिरंगा भारत के राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। सभी के मार्गदर्शन और हित के लिए भारतीय ध्वज संहिता-2002 में सभी नियमों, रिवाजों, औपचारिकताओं और निर्देशों को एक साथ लाने का प्रयास किया गया है। ध्वज संहिता-भारत के स्थान पर भारतीय ध्वज संहिता-2002 को 26 जनवरी 2002 से लागू किया गया है। यह है तिरंगा फहराने का सही तरीका -

- जब भी तिरंगा फहराया जाए तो उसे सम्मानपूर्ण स्थान दिया जाए। उसे ऐसी जगह लगाया जाए, जहां से वह स्पष्ट रूप से दिखाई दे।
- सरकारी भवन पर तिरंगा रविवार और अन्य छुट्टियों के दिनों में भी सूर्योदय से सूर्यास्त तक फहराया जाता है, विशेष अवसरों पर इसे रात को भी फहराया जा सकता है।
- तिरंगे को सदा स्फूर्ति से फहराया जाए और धीरे-धीरे आदर के साथ उतारा जाए। फहराते और उतारते समय बिगुल बजाया जाता है तो इस बात का ध्यान रखा जाए कि तिरंगे को बिगुल की आवाज के साथ ही फहराया और उतारा जाए।
- तिरंगे का प्रदर्शन सभा मंच पर किया जाता है तो उसे इस प्रकार फहराया जाएगा कि जब वक्ता का मुंह श्रोताओं की ओर हो तो तिरंगा उनके दाहिने ओर हो।
- जब तिरंगा किसी भवन की खिड़की, बालकनी या अगले हिस्से से आड़ा या तिरछा फहराया जाए तो तिरंगे को बिगुल की आवाज के साथ ही फहराया और उतारा जाए।
- तिरंगा किसी अधिकारी की गाड़ी पर लगाया जाए तो उसे सामने की ओर बीचोंबीच या कार के दाईं ओर लगाया जाए।
- फटा या मैला तिरंगा नहीं फहराया जाता है।
- जब तिरंगा फट जाए या मैला हो जाए तो उसे एकांत में पूरा नष्ट किया जाए।
- तिरंगा केवल राष्ट्रीय शोक के अवसर पर ही आधा झुका रहता है।
- किसी दूसरे झंडे या पताका को राष्ट्रीय तिरंगे से ऊंचा या ऊपर नहीं लगाया जाएगा, न ही बराबर में रखा जाएगा।
- तिरंगे पर कुछ भी लिखा या छपा नहीं होना चाहिए।

26 जनवरी की परेड

26 जनवरी की परेड राजपथ के राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट तक मार्च करती है। चलिये अब मैं आपको इस परेड की कुछ खासियत बताता हूँ सबसे पहले, राष्ट्रपति राष्ट्रीय ध्वज को फहराते है। जिसके साथ ही भारत का राष्ट्रीय गान बजाया जाता है, और एक 21-तोपों की सलामी दी जाती है।

राष्ट्रपति क्षेत्र में अपने असाधारण साहस के लिए सशस्त्र बलों से लोगों को बहादुरी के पदक प्रदान करने के लिए आगे आते हैं और जिन्होंने अलग-अलग परिस्थितियों में वीरता के अपने अलग-अलग कार्यों से खुद को प्रतिष्ठित किया है, उनको पुरस्कार से नवाजते हैं। इसके बाद सेना, नौसेना और वायु सेना की कई रेजिमेंटों के साथ उनके बैंड के साथ मार्च किया जाता है, जिसकी प्रैक्टिस यह सेना न जाने कितने समय पहले से करती हैं। उसके उपरांत विभिन्न राज्यों की झांकी उनकी संस्कृति को प्रदर्शित करती हुई उसी राजपथ से निकलती हैं।

एक बीटिंग रिट्रीट समारोह परेड के अंत का प्रतीक है। परेड पारंपरिक रूप से सशस्त्र बलों और नागरिक सुरक्षा सेवाओं की मोटरसाइकिल इकाइयों और भारतीय वायु सेना के जेट विमानों और हेलीकॉप्टर द्वारा एक फ्लाईपास्ट की हिम्मत शैतान मोटर साइकिल की सवारी के प्रदर्शन के साथ समाप्त होती है। हर साल 23 जनवरी को फुल ड्रेस रिहर्सल परेड का आयोजन किया जाता है। यदि आप परेड देखना चाहते हैं तो आप भी टिकट खरीद कर परेड देखने के लिए 26 जनवरी को लाल किला जा सकते हैं, यकीनन ही आपको बहुत आनंद आएगा।

प्रत्येक इंसान का हर काम को करने का अपना एक तरीका होता है, ठीक इसी तरह से त्योहार भी हम अपने ढंग से मनाना पसंद करते हैं। कुछ लोगों को नए कपड़े और मिठाई खाना पसंद है, तो वही कुछ लोग त्योहार को अपने दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ मनाना पसंद करते हैं, वहीं कुछ तो इसे एक आम दिन की तरह ही व्यतित करते हैं। क्योंकि गणतंत्र दिवस एक राष्ट्रीय त्योहार है, झण्डा फहराने, राष्ट्रीय गीत गाना, देशभक्ति गानों पर नृत्य परस्तुति, देशभक्ति गाने, गीत एवं कविताएं का हमारे देश में काफी प्रचलन है।

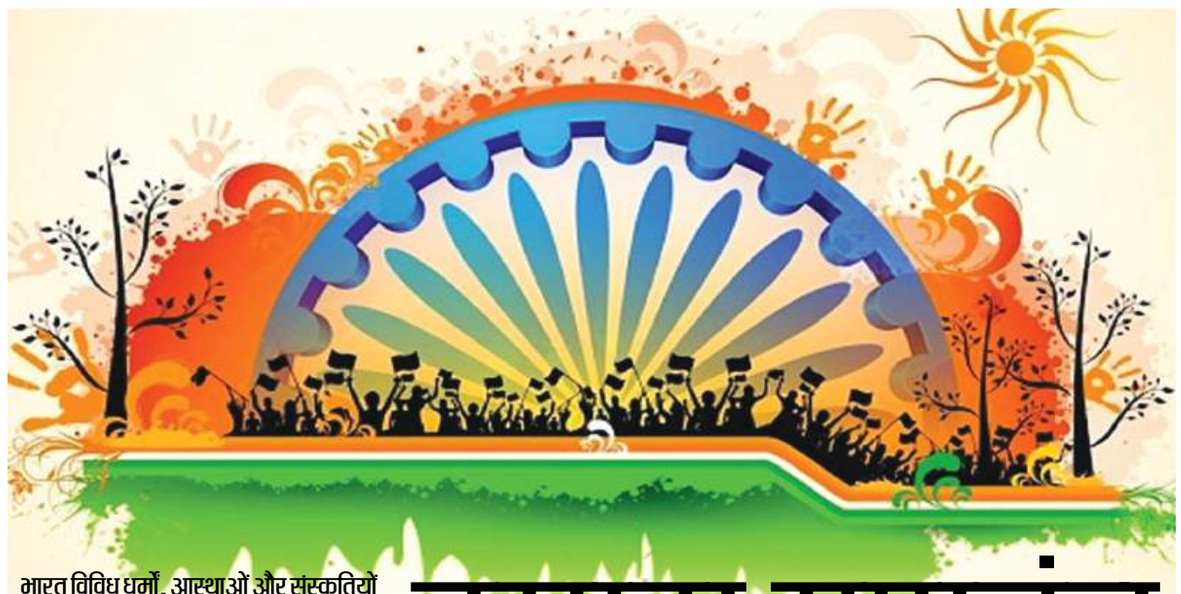

हमारा गणतंत्र हमारा अभिमान

भारत विविध धर्मों, आस्थाओं और संस्कृतियों का देश है और यहां हर दिन कोई न कोई त्यौहार मनाया जाता है। हर धर्म को मानने वाले लोग पूरे उल्लास के साथ अपने पर्व मनाते हैं, लेकिन कुछ त्यौहार ऐसे भी हैं, जो प्रत्येक देशवासी के लिए महत्वपूर्ण हैं और पूरे देश में सम्मान और स्नेह के साथ मनाए जाते हैं। 26 जनवरी भी एक ऐसा ही दिन है, जो देश का राष्ट्रीय पर्व है। देश का हर नागरिक चाहे वह किसी धर्म, जाति या संप्रदाय से ताल्लुक रखता हो, इस दिन को राष्ट्र प्रेम से ओतप्रोत होकर मनाता है। 26 जनवरी को पूरा देश गणतंत्र दिवस मनाएगा। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के राजपथ पर देश की सांस्कृतिक विविधता में एकता और सैन्य ताकत की झलक दिखाई देगी।

भारत एक लोकतांत्रिक देश है, और यदि आप भी मेरी ही तरह इस महान देश के नागरिक हैं तो यकीनन ही यह ज्ञात होगा कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण होते ही भारत के प्रत्येक वर्ग के नागरिक को अपना नेता वोट देने की प्रक्रिया को फॉलो करते हुए खूद चुनने का अधिकार है और उसके उपरान्त वो नेता अपने साथ कार्यरत नेता के साथ भारत देश की जनता के विकास के लिए कार्य करते हैं।

दोस्तों, आइए आज मैं आपको देश के लोकतांत्रिक देश बनने के सफर के बारे में थोड़ी जानकारी देता हूँ, यदि आपको इतिहास विषय पसंद है तो यकीनन ही आपको 26 जनवरी का इतिहास पढ़ने में अच्छा लगेगा। 1947 में जब देश के स्वतंत्रता सेनानियों के लगातार परिश्रम से भारत को अंग्रेजों से आजादी मिली, तब सवाल खड़ा हुआ कि देश का प्रधानमंत्री किसको बनाया जाए?

हमारे भारत में राष्ट्रीय भावी प्रधानमंत्री के गद्दी लिये 1947 में ही मतदान हुआ था, तो उसी समय से भारत वासियों ने वोट देना शुरू कर दिया था। फर्क सिर्फ इतना था उन दिनों पुरुषों को ही मत देने का अधिकार था, औरते इसमें हिस्सा नहीं लेती थी। मतदान में दो कॉंग्रेस नेता ने हिस्सा लिया था और जब परिणाम सामने आया तो सरदार पटेल अर्थात भारत के आयरन मैन सरदार वल्लभ भाई पटेल को सर्वाधिक मत मिले। उनके बाद सर्वाधिक मत आचार्य कृपलानी को मिले थे। किन्तु गांधी जी के कहने पर सरदार पटेल और आचार्य कृपलानी ने अपना नाम वापस ले लिया और जवाहरलाल नेहरू को भारत के आजाद होने के बाद पहला प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। 1947 से पूर्व जब भारत में अंग्रेज शासन कर रहे थे जब देश में लोकतंत्र नहीं था, और यही कारण था देश के बड़े नेता ने मिल कर सहमति से यह फैसला लिया था कि स्वतंत्र भारत को लोकतांत्रिक बनाया जाएगा। आजादी के कुछ दिन पश्चात 29 अगस्त, 1947 को संविधान सभा में डॉ बी आर की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया जिसके तहत अंबेडकर को भारत के लिए एक संविधान तैयार करने के लिए कहा गया।

संविधान पर विचार-विमर्श करते हुए, विधानसभा ने कुल 7,635 में से 2,473 संशोधनों को स्थानांतरित किया। भारत का संविधान 26 नवंबर, 1949 को बन कर तैयार हुआ और अपनाया गया था और माननीय सदस्यों ने 24 जनवरी, 1950 को इस पर अपने हस्ताक्षर किए।

284 सदस्यों ने वास्तव में संविधान पर हस्ताक्षर कर उसे अपनाया, उस दिन जब संविधान पर हस्ताक्षर किया जा रहा था तब इसे एक अच्छे शगुन के संकेत के रूप में देश की जनता के सामने इसकी व्याख्या की गई थी। भारत का संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ, और तब से भारत के सभी देशवासियों के लिए एक ही नियम और मौलिक अधिकार दिए गए और यह माना गया कि सब समान हैं और 26 जनवरी को प्रतिवर्ष हमने गणतंत्र दिवस के रूप में मनाना आरंभ कर दिया।

राष्ट्रीय पर्व होने के कारण गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर विद्यालयों, विश्वविद्यालयों एव ऑफिस में विभिन्न प्रकार 26 जनवरी पर ड्राइंग कॉम्पिटिशन का आयोजन किया जाता है, जो विद्यार्थी इच्छुक होते है वो अपने आप को हिस्सेदार के रूप में प्रस्तुत करते हैं और बढ़ चढ़ के अपने कला का प्रदर्शन करते हैं। वैसे तो महामारी ने हमे बांध के रख दिया है लेकिन एक तरफ यह भी सत्य है कि कुछ भी रुक नहीं पाया है, दुनिया अपनी तेजी से चल रही है और आगे बढ़ती जा रही है। यदि आने वाले गणतंत्र दिवस पर आपके भी विद्यालय में इस तरह का कोई कॉम्पीटीशन का आयोजन हो रहा है, और आपको अपने घर से ही पोस्टर बना के उसकी तस्वीर ऑनलाइन सोशल मीडिया के माध्यम से अपने शिक्षक के साथ शेयर कर दिखाना है तो आप नीचे दिए गए इमेज कि मदद ले सकते हैं और यकीनन ही आप कोई स्थान भी प्राप्त कर सकते हैं।

पहला गणतंत्र दिवस परेड 26 जनवरी 1950 को आयोजित किया गया था, जिसमें उस समय के इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो मुख्य अतिथि के रूप में आए थे। उस परेड के फ्लाईपास्ट में हार्वर्ड, समेकित बी -24 लिबरेटर्स, डकोटा, हॉकर टेम्पेस्ट, स्पिटफायर और जेट विमानों जैसे विमान शामिल थे और कुल मिला कर सौ से अधिक विमान उस परेड में शामिल थे। दिल्ली गणतंत्र दिवस परेड भारत में गणतंत्र दिवस समारोह को चिह्नित करने वाली सबसे बड़ी और सबसे महत्वपूर्ण परेड है। परेड हर साल 26 जनवरी को राजपथ, नई दिल्ली में होती है। दोस्तों राष्ट्रीय त्योहार होने के कारण यह बहुत बड़े लेवल पर भारत में मनाया जाता है और गणतंत्र दिवस समारोह में परेड एक मुख्य आकर्षण का हिस्सा है, जो 3 दिनों तक चलता है।

वंदे मातरम की अमर कहानी

वन्दे मातरम!
सुजलाम, सुफलाम मलयज-शीतलाम
शस्यश्यामलाम मातरम!
वन्दे मातरम!
शुभ्र ज्योत्स्ना पुलकितयामिनीम
फुल्लकुसुमित द्रुमदल शोभिनीम
सुहासिनीम सुमधुरभाषिणीम
सुखदाम, वरदाम, मातरम!
वन्दे मातरम ! वन्दे मातरम !

ब्रिटिश शासन के दौरान देशवासियों के दिलों में गुलामी के खिलाफ आग भड़काने वाले सिर्फ दो शब्द थे- 'वंदे मातरम' । आइए बताते हैं इस क्रांतिकारी, राष्ट्रभक्ति के अजर-अमर गीत के जन्म की कहानी -

बंगाल के महान साहित्यकार श्री बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के ख्यात उपन्यास 'आनंदमठ' में वंदे मातरम का समावेश किया गया था। लेकिन इस गीत का जन्म 'आनंदमठ' उपन्यास लिखने के पहले ही हो चुका था। अपने देश को मातृभूमि मानने की भावना को प्रज्वलित करने वाले कई गीतों में यह गीत सबसे पहला है। 'वंदे मातरम' के दो शब्दों ने देशवासियों में देशभक्ति के प्राण फूँक दिए थे और आज भी इसी भावना से 'वंदे मातरम' गाया जाता है। हम यों भी कह सकते हैं कि देश के लिए सर्वोच्च त्याग करने की प्रेरणा देशभक्तों को इस गीत से ही मिली। पीढ़ियाँ बीत गई पर 'वंदे मातरम' का प्रभाव अब भी अक्षुण्ण है।

'आनंदमठ' उपन्यास के माध्यम से यह गीत प्रचलित हुआ। उन दिनों बंगाल में 'बंग-भंग' का आंदोलन उफान पर था। दूसरी ओर महात्मा गाँधी के असहयोग आंदोलन ने लोकभावना को जाग्रत कर दिया था। बंग भंग आंदोलन और असहयोग आंदोलन दोनों में 'वंदे मातरम' ने प्रभावी भूमिका निभाई। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के लिए यह गीत पवित्र मंत्र बन गया था।

बंकिम बाबू ने 'आनंदमठ' उपन्यास 1880 में लिखा। कलकत्ता की 'बंग दर्शन' मासिक पत्रिका में उसे क्रमशः प्रकाशित किया गया। अनुमान है कि 'आनंदमंठ' लिखने के करीब पाँच वर्ष पहले बंकिम बाबू ने 'वंदे मातरम' को लिख दिया था। गीत लिखने के बाद यह यों ही पड़ा रहा। पर 'आनंदमठ' उपन्यास प्रकाशित होने के बाद लोगों को उसका पता चला। इस संबंध में एक दिलचस्प किस्सा है। बंकिम बाबू 'बंग दर्शन' के संपादक थे। एक बार पत्रिका का साहित्य कम्पोज हो रहा था। तब कुछ साहित्य कम पड़ गया, इसलिए बंकिम बाबू के सहायक संपादक श्री रामचंद्र बंदोपाध्याय बंकिम बाबू के घर पर गए और उनकी निगाह 'वंदे मातरम' लिखे हुए कागज पर गई। कागज उठाकर श्री बंदोपाध्याय ने कहा, फिलहाल तो मैं इससे ही काम चला लेता हूँ। पर बंकिम बाबू तब गीत प्रकाशित करने को तैयार नहीं थे। यह बात 1872 से 1876 के बीच की होगी। बंकिम बाबू ने बंदोपाध्याय से कहा कि आज इस गीत का मतलब लोग समझ नहीं सकेंगे। पर एक दिन ऐसा आएगा कि यह गीत सुनकर सम्पूर्ण देश निद्रा से जाग उठेगा। इस संबंध में एक किस्सा और भी प्रचलित है। बंकिम बाबू दोपहर को सो रहे थे। तब बंदोपाध्याय उनके घर गए। बंकिम बाबू ने उन्हें 'वंदे मातरम' पढ़ने को दिया। गीत पढ़कर बंदोपाध्याय ने कहा, 'गीत तो अच्छा है, पर अधिक संस्कृतनिष्ठ होने के कारण लोगों की जुबान पर आसानी से चढ़ नहीं सकेगा।' सुनकर बंकिम बाबू हँस दिए। वे बोले, 'यह गीत सदियों तक गाया जाता रहेगा।' 1876 के बाद बंकिम बाबू ने बंग दर्शन की संपादकी छोड़ दी।

875 में बंकिम बाबू ने एक उपन्यास 'कमलाकांतेर दफ्तर' प्रकाशित किया। इस उपन्यास में 'आभार दुर्गोत्सव' नामक एक कविता है। 'आनंदमठ' में संत-गणों को संकल्प करते हुए बताया गया है। उसकी ही आवृत्ति 'कमलाकांतेर दफ्तर' के कमलकांत की भूमिका निभाने वाले चरित्र के व्यवहार में दिखाई देती है। धीर-गंभीर देशप्रेम और मातृभूमि की माता के रूप में कल्पना करते हुए बंकिम बाबू गंभीर हो गए और अचानक उनके मुँह से 'वंदे मातरम' शब्द निकले। यही इस अमर गीत की कथा है। 1896 में कलकत्ता में कॉंग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ। उस अधिवेशन की शुरुआत इसी गीत से हुई और गायक कौन थे पता है आपको? गायक और कोई नहीं, महान साहित्यकार स्वयं गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर थे। कितना भाग्यशाली गीत है यह, जिसे सबसे पहले गुरुदेव टैगोर ने गाया। यह भी माना जाता है कि बंकिम बाबू एक कीर्तनकार द्वारा गाए गए एक कीर्तन गीत 'एसो एसो बंधु माघ आँचरे बसो' को सुनकर बेहद प्रभावित हुए। गीत सुनकर गुलामी की पीड़ा का उन्होंने तीव्र रूप से अनुभव किया। इस एक गीत ने भारतीय युवकों को एक नई दिशा-प्रेरणा दी, स्वतंत्रता संग्राम का महान उद्देश्य दिया। मातृभूमि को सुजलाम-सुफलाम बनाने के लिए प्रेरित किया। 'वंदे मातरम' इन दो शब्दों ने देश को आत्मसम्मान दिया और देशप्रेम की सीख दी। हजारों वर्षों से सुप्त पड़ा यह देश इस एक गीत से निद्रा से जाग उठा। तो ऐसी दिलचस्प कहानी है वंदे मातरम गीत की।

संविधान की खास बातें

संविधान सभा की प्रथम बैठक सोमवार 9 दिसंबर 1946 को प्रातः 11 बजे शुरू हुई। इसमें 210 सदस्य उपस्थित थे। 11 दिसंबर 1946 को संविधान सभा की बैठक में डॉ. राजेंद्रप्रसाद को स्थायी अध्यक्ष चुना गया, जो अंत तक इस पद पर बने रहे। 13 दिसंबर 1946 को पंडित जवाहरलाल नेहरू ने संविधान का उद्देश्य प्रस्ताव सभा में प्रस्तुत किया, जो 22 जनवरी 1947 को पारित किया गया। इसकी मुख्य बातें इस प्रकार हैं-

- भारत एक पूर्ण संप्रभुता संपन्न गणराज्य होगा, जो स्वयं अपना संविधान बनाएगा।
- भारत संघ में ऐसे सभी क्षेत्र शामिल होंगे, जो इस समय ब्रिटिश भारत में हैं या देशी रियासतों में हैं या इन दोनों से बाहर, ऐसे क्षेत्र हैं, जो प्रभुतासंपन्न भारत संघ में शामिल होना चाहते हैं।
- भारतीय संघ तथा उसकी इकाइयों में समस्त राजशक्ति का मूल स्रोत स्वयं जनता होगी।
- भारत के नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, पद, अवसर और कानूनों की समानता, विचार, भाषण, विश्वास, व्यवसाय, संघ निर्माण और कार्य की स्वतंत्रता, कानून तथा सार्वजनिक नैतिकता के अधीन प्राप्त होगी।
- अल्पसंख्यक वर्ग, पिछड़ी जातियों और कबायली जातियों के हितों की रक्षा की समुचित व्यवस्था की जाएगी।
- अवशिष्ट शक्तियां इकाइयों के पास रहेंगी।
- 26 जनवरी 1950 को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ.राजेन्द्र प्रसाद ने 21 तोपों की सलामी के बाद भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को फहराकर भारतीय गणतंत्र के ऐतिहासिक जन्म की घोषणा की थी। अंग्रेजों के शासनकाल से छुटकारा पाने के 894 दिन बाद हमारा देश स्वतंत्र राज्य बना। तब से आज तक हर वर्ष समूचे राष्ट्र में गणतंत्र दिवस गर्व और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है।

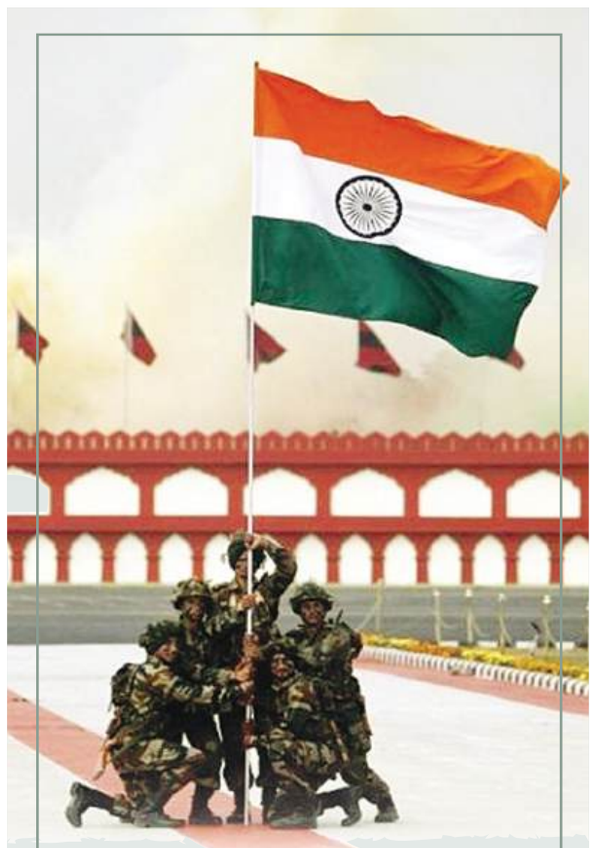

देशभक्ति व करियर दोनों हैं अहम

26 जनवरी को पूरा देश 'गणतंत्र दिवस' मनाएगा। यह जश्न है एकता, समानता और स्वतंत्रता का। उन शहीदों को इस पर्व के माध्यम से नमन करने का जिनकी वजह से हमें खुलकर जीने की आजादी मिली। साथ ही सलाम उन जवानों को जो सीमा पर जागते हैं ताकि हम चैन की नींद सो सकें। यह जज्बा धीरे-धीरे कम होता जा रहा है। इसका कारण युवाओं की लाइफस्टाइल में आया बदलाव भी है। ग्लोबलाइजेशन के इस दौर में आज का युवा देशभक्ति से ज्यादा पैसे की ओर रुख कर रहा है। युवा देश के लिए बहुत कुछ करना चाहते हैं, इसलिए उनकी एक राय यह भी है कि आर्मी के अलावा भी किसी फील्ड में रहते हुए देश के विकास में अहम योगदान दे सकते हैं, बशर्ते कि वे अपने फील्ड में ईमानदारी से काम करें।

देशभक्ति पर करियर भारी

यश जोशी कहते हैं कि इंडियन आर्मी यानी बेहतर करियर, अनुशासन के साथ सम्मान की जिंदगी। लेकिन आज प्रोफेशनल कोर्सेस के आने के बाद स्टूडेंट को लगता है कि आर्मी में करियर बनाना आसान नहीं है, क्योंकि टफ ट्रेनिंग और घर से दूर जाना उन्हें कम ही रास आता है। वे देशभक्ति की जगह मोटी कमाई को तवज्जो दे रहे हैं। जिन युवाओं में आर्मी के जुनून और देश के लिए कुछ करने का जज्बा होता है जब वे घरवालों से यह बात कहते हैं तो उनके घरवाले चाहते हैं कि वे आर्मी की बजाय दूसरे फील्ड में करियर बनाएँ।

ईमानदारी से कार्य करने की है जरूरत

एमएससी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की स्टूडेंट राधिका राघव कहती हैं- आजकल युवा सेना में नहीं जाना चाहते हैं हालाँकि देशभक्ति का यह पैमाना कतई नहीं है कि हर व्यक्ति सेना में जाए। देश की सेवा किसी भी रूप में हो सकती है जिसके लिए हमें अपनी फील्ड में ईमानदारी से कार्य करने की जरूरत है। युवा के लिए वास्तव में नाम व पैसे के साथ-साथ समाज व देश के प्रति कुछ कर पा लेने की संतुष्टि और गर्व होना भी जरूरी है।

आज भी है जुनून

आईआईपीएस के स्टूडेंट शुभम शर्मा कहते हैं कि युवाओं में एक बात यह है कि वे खुद की मर्जी के मालिक कुछ ज्यादा ही होते हैं। इसका कारण हमारी लाइफ स्टाइल में आया बदलाव भी है। आज करना है तो बस करना है कि तर्ज पर जिंदगी जीने वाले युवा कहीं भी फोकस नहीं कर पाते या फिर असमंजस की स्थिति में पड़ जाते हैं इसलिए वे जीवन में देशभक्ति व करियर में से किसी एक का चुनाव नहीं कर पाते हैं। वहीं दूसरी ओर आज भी युवा तिरंगे को देखकर रोमांचित होता है। जन-गण-मन सुनकर एक बार सावधान की मुद्रा में खड़ा होने को तैयार रहता है। लेकिन उसे लगता है कि साथ देने वाला कोई नहीं है तो मन मारकर वह देशभक्ति करने से रह जाता है।

करियर भी देशसेवा भी

ईएमआरसी की स्टूडेंट कृणिका सक्सेना कहती हैं कि आज भगतसिंह पैदा नहीं हो सकते लेकिन व्हाइट कॉलर लोगों के भरोसे भी यह देश नहीं चलना है। करियर बनाने के बाद भी हर युवा को देश की सेवा व देश में रहना कम पसंद आता है। इसके लिए युवा जिम्मेदार नहीं हैं। इसका कारण भ्रष्टाचार भी है। लेकिन कई युवा इस दौर में भी अपनी पसंद के करियर के साथ भी देशसेवा कर रहे हैं। वे जता रहे हैं कि देशसेवा भी उनके लिए महत्वपूर्ण है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

डिंगा अंब में 50 खैर लकड़ी के लट्ठे बरामद, वाहन जब्त

कठुआ, 25 जनवरी (हि.स.)। कठुआ पुलिस ने अवैध खैर लकड़ी की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए डिंगा अंब क्षेत्र से 50 खैर लकड़ी के लट्ठे (लगभग 30 क्विंटल) बरामद किए हैं। इस दौरान एक ऑटो लोड कैरियर वाहन जेके21जी-8915 को भी जब्त किया गया है।

यह कार्रवाई एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा के समग्र पर्यवेक्षण में की गई। जानकारी के अनुसार थाना हीरानगर को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना मिली थी कि एक वाहन अवैध रूप से प्रतिबंधित खैर लकड़ी की तस्करी कर रहा है और राष्ट्रीय राजमार्ग की ओर बढ़ रहा है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एसएचओ थाना हीरानगर आशीष शर्मा, प्रभारी डिंगा अंब के सहयोग से पुलिस टीम ने नाका लगाकर संदिग्ध वाहन को रोका। नाका पार्टी को देखते ही वाहन चालक मौके से फरार हो गया। तलाशी के दौरान वाहन से बिना किसी वैध अनुमति/दस्तावेज के 50 खैर लकड़ी के लट्ठे बरामद किए गए। पुलिस ने मौके से लकड़ी सहित वाहन को जब्त कर लिया और आगे की कानूनी कार्रवाई हेतु वन विभाग के हवाले कर दिया गया है। फरार आरोपी की तलाश जारी है।

मनरेगा बचाओ संग्राम- ठाकुर बलवीर सिंह और सतीश शर्मा का केंद्र सरकार पर तीखा हमला

उधमपुर, 25 जनवरी (हि.स.) मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत ऊधमपुर जिले के रामनगर विधानसभा क्षेत्र के गांव चौकी चंद्रोड़ में एक विशाल जनसभा का आयोजन किया गया। जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने केंद्र की भाजपा सरकार पर मनरेगा जैसीजनकल्याणकारी योजना को कमजोर करने का गंभीर आरोप लगाया।

पूर्व विधायक ठाकुर बलवीर सिंह ने कहा कि मनरेगा देश के गरीब और ग्रामीण मजदूरों के लिए जीवनरेखा है लेकिन केंद्र सरकार की नई नीतियों और नियमों ने इस योजना को लगभग निष्क्रिय कर दिया है।

उन्होंने कहा, ‘मनरेगा मजदूरों का कानूनी अधिकार है, लेकिन नए कानूनों, ऑनलाइन प्रक्रियाओं और तकनीकी शर्तों के जरिए गरीब मजदूरों को योजना से बाहर किया जा रहा है। मजदूरी का भुगतान महीनों तक रोका जा रहा है, जिससे मजदूरों के सामने भुखमरी जैसी स्थिति पैदा हो रही है। उन्होंने मनरेगा के बजट में की जा रही कटौती पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार जानबूझकर इसका बजट घटा रही है ताकि ग्रामीणों को मजबूर होकर रोजगार की तलाश में शहरों की ओर पलायन करना पड़े। कांग्रेस महासचिव सतीश शर्मा ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मनरेगा के नाम पर लाए गए नए नियम वास्तव में इस योजना को खत्म करने की साजिश हैं। उन्होंने कहा, काम पूरा होने के बावजूद मजदूरों को समय पर मेहनताना नहीं मिल रहा। तकनीकी खामियों और ऑनलाइन अप्रूवल के नाम पर भुगतान रोका जा रहा है।

जम्मू-कश्मीर में भाजपा नेताओं ने ‘मन की बात’ का 130वां एपिसोड सुना

जम्मू, 25 जनवरी (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जम्मू-कश्मीर नेतृत्व ने केंद्र शासित प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम ‘मन की बात’ का 130वां एपिसोड सामूहिक रूप से सुना और प्रधानमंत्री के संदेश को जमीनी स्तर तक पहुंचाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

भाजपा जम्मू-कश्मीर के अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सत शर्मा, विधायक मोहन लाल भगत, मंडल अध्यक्ष शमशेर सिंह और सरपंच अश्वनी शर्मा ने अखनूर विधानसभा क्षेत्र की सुंगल सी पंचायत के बूथ नंबर 3 पर कार्यक्रम सुना। इस सभा में पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय निवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए सत शर्मा ने कहा कि ‘मन की बात’ प्रधानमंत्री और भारत की जनता के बीच सीधे संवाद का एक सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि ‘मन की बात’ के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नवाचार, राष्ट्रवाद, सामाजिक जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक मूल्यों की कहानियों से नागरिकों को प्रेरित करते हैं उन्होंने कहा कि आज के घटनाक्रम ने हमें जन कल्याण और राष्ट्र निर्माण के लिए और अधिक समर्पण के साथ काम करने के लिए प्रेरित किया है।

कठुआ पुलिस ने टेनेंट वेरिफिकेशन अभियान तेज किया, उल्लंघन पर दो एफआईआर दर्ज

कठुआ, 25 जनवरी (हि.स.)। जिला पुलिस कठुआ ने किरायेदार सत्यापन नियमों के सख्त पालन को सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में सब-डिवीजन बसोहली में विशेष सत्यापन अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले दो मकान मालिकों के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज की गई हैं।

बसोहली क्षेत्र में चलाए गए सत्यापन अभियान के दौरान पहले मामले में पुलिस थाना बसोहली को विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई कि वार्ड नंबर 12 बसोहली निवासी शवीक अहमद पुत्र निशान अली ने अपने आवासीय मकान में बिना पुलिस सत्यापन कराए किरायेदार रखे हुए हैं, जोकि जिला मजिस्ट्रेट कठुआ द्वारा जारी आदेशों का उल्लंघन है। इसी प्रकार एक अन्य मामले में वार्ड नंबर 11 बसोली निवासी नसीम अहमद पुत्र निसार अहमद अंसारी (वर्तमान पता भरथ रोड डोडा) ने अपने मकान में 6, 7 व्यक्तियों को किरायेदार के रूप में रखा हुआ था। ये किरायेदार उत्तर प्रदेश, कश्मीर एवं देश के अन्य राज्यों से संबंधित हैं। इनके संबंध में भी कोई पुलिस सत्यापन नहीं कराया गया था, जो कि जिला मजिस्ट्रेट कठुआ के आदेशों का उल्लंघन है। इन दोनों मामलों में पुलिस थाना बसोली में एफआईआर नंबर 05/2026 एवं 06/2026 धारा 223 बीएनएस के तहत केस दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की गई है। यह अभियान थाना प्रभारी बसोहली पीएसआई स्वर्ण सिंह मन्हास द्वारा चलाया गया। इस अवसर पर एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा ने सभी मकान मालिकों से अपील की है कि वे किरायेदार सत्यापन एवं पंजीकरण नियमों का सख्ती से पालन करें। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर जम्मू में ईपीआईसी वितरण कार्यक्रम आयोजित

जम्मू, 25 जनवरी (हि.स.)। 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में सम्वेदना सोसायटी के चेयरमैन केशव चोपड़ा ने बूथ लेवल ऑफिसर पूनम गुप्ता के साथ मिलकर जम्मू में एक विशेष पहल के तहत स्थानीय निवासियों एवं पहली बार मतदाता बने युवाओं को मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) वितरित किए। यह कार्यक्रम इस वर्ष की राष्ट्रीय थीम माय इंडिया, माय वोट के अनुरूप आयोजित किया गया, जिसमें भारतीय लोकतंत्र में नागरिकों की केंद्रीय भूमिका को रेखांकित किया गया।

ईपीआईसी वितरण समारोह को संबोधित करते हुए केशव चोपड़ा ने कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस भारत निर्वाचन आयोग की स्थापना की स्मृति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मतदाता पहचान पत्र केवल एक पहचान दस्तावेज नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का प्रतीक और एक पवित्र लोकतांत्रिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने विशेष रूप से युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि पहली बार मतदान करने वाले युवा देश के भविष्य के निर्माता हैं और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में उनकी सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। चोपड़ा ने कहा कि प्रत्येक वोट एक सशक्त और विकसित भारत की नींव का पत्थर है।

कार्यक्रम के दौरान कई युवा मतदाताओं का औपचारिक रूप से निर्वाचन प्रक्रिया में स्वागत किया गया। इस अवसर पर केशव चोपड़ा ने नए मतदाताओं को मतदान के नैतिक महत्व की जानकारी देते हुए उन्हें निर्भीक और गर्व के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया।

केन्द्रीय विद्यालय में ‘परीक्षा पे चर्चा 2026’ के तहत क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

जम्मू, 25 जनवरी (हि.स.)। केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू स्थित केन्द्रीय विद्यालय में राष्ट्रीय पहल ‘परीक्षा पे चर्चा 2026’ के अंतर्गत ब्रिगेडियर राजिंदर सिंह ऑडिटोरियम में एक सजीव एवं बौद्धिक रूप से प्रेरक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में परीक्षा से जुड़े तनाव को कम करते हुए आनंदमय, संतुलित और समग्र शिक्षण वातावरण को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम में केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू के कुलपति एवं केन्द्रीय विद्यालय के चेयरमैन प्रो. संजीव जैन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ विद्यालय प्रबंधन समिति (वीएमसी) के सम्मानित सदस्य भी मौजूद रहे, जिनके मार्गदर्शन और प्रोत्साहन ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की।

क्विज प्रतियोगिता की थीम ऑपरेशन सिंदूर रही, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने ज्ञान, विश्लेषणात्मक क्षमता तथा टीम भावना का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित एक वीडियो प्रस्तुति दिखाई गई, जिसके बाद बहुविकल्पीय प्रश्नों (एमसीक्यू) की परीक्षा आयोजित की गई। यह आयोजन पराक्रम दिवस एवं परीक्षा पे चर्चा के 9वें संस्करण के संयुक्त उपलक्ष्य में किया ग ने छात्रों में देशभक्ति, राष्ट्रीय चेतना, साहस और नेतृत्व जैसे मूल्यों को सुदृढ़ किया। शिक्षकों ने भी सक्रिय भूमिका निभाते हुए विद्यार्थियों को मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन प्रदान किया, जिससे सकारात्मक और प्रेरक माहौल बना रहा। अपने संबोधन में प्रो. संजीव जैन ने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि शैक्षणिक सफलता के साथ-साथ भावनात्मक संतुलन और मानसिक स्वास्थ्य भी अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम का समापन परिणाम घोषणा एवं विद्यालय के प्राचार्य द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। यह आयोजन छात्रों के लिए प्रेरणास्रोत बनकर उभरा और संस्थान की समग्र शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस-युवाओं से मतदान में सक्रिय भागीदारी की अपील

कठुआ, 25 जनवरी (हि.स.)। जिला निर्वाचन कार्यालय कठुआ द्वारा 16वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस राजकीय डिग्री कॉलेज (बॉयज) कठुआ के ऑडिटोरियम में उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करना और विशेष रूप से युवाओं को जागरूक एवं जिम्मेदार मतदान के लिए प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अतिरिक्त उपायुक्त कठुआ सुरिंदर मोहन शर्मा ने दीप प्रज्वलन कर किया। इस अवसर पर एडीसी कठुआ विशवजीत सिंह, ईआरओ कठुआ, ईआरओ जसरोटा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, शिक्षक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान संगोष्ठी, स्किट और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदान के महत्व, नैतिक चुनावी भागीदारी और युवाओं की भूमिका पर प्रभावी संदेश दिए गए। प्रतिभागियों ने हस्ताक्षर अभियान में भाग लिया और मतदाता शपथ भी ली।

संगोष्ठी प्रतियोगिता में लक्ष्मी (जीडीसी महिला) ने प्रथम, नैन्सी कांगोतरा ने द्वितीय और सुमन शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं व प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

श्री ब्राह्मण सभा की मासिक बैठक आयोजित

कठुआ, 25 जनवरी (हि.स.)। श्री ब्राह्मण सभा कठुआ में महीने के अंतिम रविवार को मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता सभा के अध्यक्ष सुरेंद्र मेहता ने की जिसमें एग्जीक्यूटिव बॉडी के सभी प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान बीते महीने में किए गए कार्यों की समीक्षा की गई तथा आगामी महीने में प्रस्तावित गतिविधियों पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। खास तौर पर आगामी अप्रैल माह में आयोजित होने वाली भगवान श्री परशुराम जयंती को लेकर गहन चर्चा की गई। वक्ताओं ने बताया कि ब्राह्मण समाज द्वारा इस आयोजन की तैयारियां तीन महीने पहले ही शुरू कर दी जाती हैं ताकि हर वर्ष की भांति इस बार भी जयंती को भव्य और सफल रूप से मनाया जा सके। बैठक में सभी कार्यकारी सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव रखे और कार्यक्रम को नई दिशा देने को लेकर भी विचार साझा किए।

इसके साथ ही ब्राह्मण समाज के उत्थान, संगठन को मजबूत करने और सामाजिक गतिविधियों को और प्रभावी बनाने पर भी चर्चा हुई। इस बैठक में अनिल भारद्वाज, सतपाल, सुनील शर्मा, मास्टर अमरनाथ शर्मा, बालकृष्ण शर्मा, योगराज शर्मा, सतीश शर्मा, दर्शन शर्मा और सचिन खजुरिया मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

जम्मू मंडल के रेलवे कर्मचारियों ने 24 जनवरी को यात्रियों के हित में उत्कृष्ट कार्य किए

जम्मू, 25 जनवरी (हि.स.)। उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल के अधिकारी और कर्मचारी हमेशा यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए तत्पर रहते हैं।

इसी क्रम में जम्मू मंडल के वाणिज्य और परिचालन विभाग के कर्मचारियों ने 24 जनवरी को यात्रियों के हित में उत्कृष्ट कार्य किए।

पहली घटना जम्मू रेलवे स्टेशन की है जब वरिष्ठ टिकट निरीक्षक अब्दुल रशीद और उनके स्टाफ ने प्लेटफार्म पर अकेली और डरी हुई बच्ची को देखा। बच्ची ने शुरुआत में कुछ नहीं बताया लेकिन अधिकारियों ने उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल रेलवे पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने बच्ची के माता-पिता से संपर्क कर उन्हें आश्वस्त किया कि बच्ची सुरक्षित है।

दूसरी घटना पठानकोट कैंट रेलवे स्टेशन की है जहां स्टेशन मास्टर और शंटिंग स्टाफ ने ट्रेन संख्या 12751 में छूटे हुए यात्री के बैग को ढूंढकर उसे सही व्यक्ति को सुपुर्द किया। यात्री ने रेलवे और कर्मचारियों का धन्यवाद किया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री उचित सिंघल ने दोनों घटनाओं की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के उत्कृष्ट कार्य यात्रियों का रेलवे पर विश्वास मजबूत करते हैं और अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

आईपीएस अधिकारी डॉ. हसीब मुगल विशिष्ट सेवाओं के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया

श्रीनगर, 25 जनवरी (हि.स.)। एजीएमयूटी कैडर के सम्मानित आईपीएस अधिकारी और कश्मीरी मूल के निवासी डॉ. मोहम्मद हसीब मुगल को विशिष्ट सेवाओं के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है।

अधिकारी के अनुसार डॉ. मोहम्मद हसीब मुगल को विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किए जाने की घोषणा आज की गई।

डोडा जिले के भदरवाह के मूल निवासी डॉ. मुगल ने जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय से वनस्पति विज्ञान (जीवविज्ञान) में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की है और कश्मीर और जम्मू दोनों क्षेत्रों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है।

डॉ. मुगल हंदवारा, किश्तवार, बारामूला, राजौरी और श्रीनगर के जिला पुलिस प्रमुख के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उन्होंने 2019 से 2021 के महत्वपूर्ण समय के दौरान एसएसपी श्रीनगर के रूप में कार्य किया।

उन्होंने पुलिस उपाधीक्षक (संचालन) एसएसपी सतर्कता जम्मू एसएसपी सीआईडी ??कश्मीर और एसएसपी ट्रैफिक नेशनल हाईवे के पदों पर भी अपनी सेवाएं दी हैं। पदोन्नति के बाद उन्हें 2022 से 2024 के बीच डीआईजी राजौरी-पूंछ रेंज में तैनात किया गया। वर्तमान में वे डीआईजी ट्रैफिक जम्मू के पद पर कार्यरत हैं।

इससे पहले उन्हें सराहनीय सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक, वीरता के लिए पुलिस पदक (तीन बार), सराहनीय सेवाओं के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस पदक और वीरता के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस पदक से सम्मानित किया जा चुका है।

पुलिस स्टेशन ने आरएसपुरा क्षेत्र के कुख्यात अपराधी पर जन सुरक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया

जम्मू, 25 जनवरी (हि.स.)। जम्मू पुलिस ने आज 25.01.2026 को आरएसपुरा क्षेत्र के कुख्यात अपराधी गुंडे पर पीएसए के तहत मामला दर्ज कर उसे कोट भलवाल केंद्रीय जेल जम्मू में भेज दिया। सुंदूरी मजिस्ट्रेट जम्मू से औपचारिक हिरासत आदेश प्राप्त करने के बाद संदीप कुमार उर्फ शोतु पुत्र तरसेम लाल निवासी चक असलम तहसील आरएसपुरा जिला जम्मू के खिलाफ पीएसए के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मामला दर्ज किए गए कुख्यात अपराधी को कोट भलवाल केंद्रीय जेल जम्मू में भेज दिया गया है। यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि उपरोक्त अपराधी के खिलाफ जम्मू जिले में पहले से ही कई एफआईआर दर्ज हैं। उपरोक्त कुख्यात अपराधी माननीय न्यायालय से हर बार जमानत प्राप्त करने में सफल रहा है और उसे आपराधिक गतिविधियों में लिप्त होने से रोकने के लिए उसके खिलाफ कड़ी सार्वजनिक सुरक्षा कार्रवाई के तहत मामला दर्ज करने की सिफारिश की गई थी जिस पर जम्मू के जिला मजिस्ट्रेट ने संतुष्ट होने के बाद आदेश संख्या 02 2026 दिनांक 24-01-2025 के तहत उसके खिलाफ पीएसए वारंट जारी किया।

मनरेगा का नाम बदलने की कोशिश गरीबों के अधिकारों पर हमला : रमन भल्ला

जम्मू, 25 जनवरी (हि.स.)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) द्वारा शुरू किए गए ‘मनरेगा बचाओ संग्राम’ अभियान के तहत जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष रमन भल्ला ने रविवार को पंचायत अर्निया कूल में एक जनसभा को संबोधित किया। यह कार्यक्रम जिला जम्मू ग्रामीण कमेटी की ओर से आयोजित किया गया, जिसमें केंद्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का नाम बदलने के फैसले के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराया गया। सभा को संबोधित करते हुए रमन भल्ला ने कहा कि मनरेगा केवल एक कल्याणकारी योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के गरीब और कमजोर वर्गों के लिए सामाजिक सुरक्षा की मजबूत ढाल है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक कानून की पहचान को कमजोर करना या इसका नाम बदलना गरीबों के अधिकारों पर सीधा हमला है। भल्ला ने कहा कि महात्मा गांधी का नाम सत्य, न्याय और वंचितों के सशक्तिकरण से जुड़ा हुआ है और इसे हटाने की कोशिश समावेशी विकास की मूल भावना को मिटाने का प्रयास है। रमन भल्ला ने जम्मू-कश्मीर में बढ़ती बेरोजगारी, विशेषकर युवाओं के बीच नौकरी के अवसरों की कमी और भर्ती प्रक्रियाओं में देरी पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि सरकारी दावों के विपरीत जमीनी हकीकत यह है कि पढ़े-लिखे युवा रोजगार के लिए भटक रहे हैं और इससे उनमें निराशा बढ़ रही है। उन्होंने सरकार से स्थायी रोजगार सृजन के लिए तत्काल ठोस कदम उठाने की मांग की। उन्होंने ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में बिगड़ती बुनियादी सुविधाओं का भी मुद्दा उठाया। भल्ला ने कहा कि लोग पेयजल संकट, अनियमित बिजली आपूर्ति, खराब सड़कों और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी से जूझ रहे हैं। बढ़ती महंगाई, ईंधन और जरूरी वस्तुओं की कीमतों ने आम लोगों पर अतिरिक्त बोझ डाल दिया है। उन्होंने कहा कि नाम बदलने जैसे प्रतीकात्मक कदमों के बजाय सरकार को इन वास्तविक समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। कार्यक्रम में जिला जम्मू ग्रामीण अध्यक्ष नीरज कुंदन ने भी कांग्रेस नेतृत्व के रुख का समर्थन करते हुए कहा कि मनरेगा ने जम्मू जिले के ग्रामीण परिवारों को रोजगार सुरक्षा प्रदान करने में अहम भूमिका निभाई है।

लापता नाबालिग लड़की हैदराबाद से बरामद, परिजनों को सौंपी

कठुआ, 25 जनवरी (हि.स.)। जिला पुलिस कठुआ ने त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करते हुए हैदराबाद से एक 14 वर्षीय नाबालिग लड़की को सुरक्षित बरामद कर उसे उसके परिजनों से मिलाया जानकारी के अनुसासर नाबालिग के लापता होने की शिकायत 19 जनवरी 2026 को थाना बिलावर में दर्ज की गई थी जिसके तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और मानवीय सूचनाओं के आधार पर विशेष टीम गठित की। एसएचओ थाना बिलावर जहीर मुश्ताक के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने दिल्ली और हैदराबाद सहित कई स्थानों पर तलाश की और आखिरकार नाबालिग को हैदराबाद से सुरक्षित बरामद किया। सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बच्ची को उसके वैध अभिभावकों के सुपुर्द कर दिया गया।

विधायक डॉ. भारत भूषण ने किया विकास कार्यों का उद्घाटन, जनता दरबार में सुनीं समस्याएँ

कठुआ, 25 जनवरी (हि.स.)। कठुआ विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. भारत भूषण ने रविवार को नगरी-परोल, कठुआ एवं कीढ़ियां क्षेत्रों में विकास कार्यों का उद्घाटन किया तथा जनता दरबार लगाकर लोगों की समस्याएँ सुनीं। वहीं नगरी-परोल में माता बाला सुंदरी मंदिर परिसर में हाई मास्ट लाइट तथा कठुआ में गुरुद्वारा श्री हरगोविंद साहिब के समीप डीप बोरवेल का उद्घाटन किया गया, जिनके लिए विधायक निधि से धन उपलब्ध कराया गया। इसके अतिरिक्त विधायक ने वार्ड नंबर 21 में गली व नाली निर्माण कार्य का उद्घाटन किया तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खरोट का निरीक्षण कर भवन को शीघ्र उपयोग में लाने के निर्देश दिए। कीढ़ियां पंचायत में आयोजित जनता दरबार व जनसंवाद कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया और सड़क, पेयजल, जल निकासी, बिजली आपूर्ति व बाढ़ से क्षतिग्रस्त ढांचे

की बहाली से जुड़ी समस्याएँ रखीं। विधायक डॉ. भारत भूषण ने सभी समस्याओं के समाधान का आश्वासन देते हुए कहा कि जनता की सेवा और क्षेत्र का समग्र विकास उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि कठुआ पार्टी कार्यालय में प्रत्येक माह की 21 तारीख को जनता दरबार आयोजित किया जाएगा।

संपादकीय

सुरक्षा पहले, स्क्रीन बाद में

जम्मू-कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्र में, जहाँ पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों के जवानों को निरंतर और सतर्क प्रयास करने पड़ते हैं, वहाँ सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग एक गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है। ड्यूटी पर तैनात कई जवानों का घंटों तक मोबाइल फोन पर अंतहीन रील्स और सोशल मीडिया सामग्री देखते रहना अत्यंत चिंताजनक है। ड्यूटी पर तैनात कर्मियों की मोबाइल फोन के प्रति इस अवांछनीय आसक्ति पर तत्काल अंकुश लगाने की आवश्यकता है।

निस्संदेह, आज के युग में मोबाइल फोन हर व्यक्ति के लिए आवश्यक उपकरण बन चुका है, विशेषकर सुरक्षा तंत्र से जुड़े कर्मियों के लिए, क्योंकि यह सूचना के त्वरित आदान-प्रदान का सशक्त माध्यम है। किंतु ड्यूटी के दौरान मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग या यूँ कहें दुरुपयोग, विशेषकर सुरक्षा बलों द्वारा, गंभीर चिंता उत्पन्न करता है।

एक सामान्य नागरिक के रूप में अक्सर देखा जा सकता है कि चेकिंग नाका (नाकेबंदी) पर तैनात पुलिसकर्मी आने-जाने वाले लोगों की जांच करने के बजाय अपने मोबाइल फोन की स्क्रीन पर अधिक ध्यान केंद्रित करते दिखाई देते हैं। यह एक खतरनाक प्रवृत्ति है, जो सुरक्षा में सेंध लगाने और गंभीर परिस्थितियाँ उत्पन्न करने का कारण बन सकती है, विशेषकर जम्मू-कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्र में।

इस संदर्भ में, बढ़ती असावधानी और लापरवाह रवैया सुरक्षा बलों की तैयारी और पेशेवर प्रतिबद्धता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। जब सतर्कता की जगह डिजिटल व्याकुलता ले लेती है, तो सुरक्षा से समझौता होना स्वाभाविक है। यह अपेक्षाकृत नया खतरा, जिसमें ड्यूटी पर तैनात कई जवान सोशल मीडिया सामग्री देखने को प्राथमिकता देते हैं, सुरक्षा व्यवस्था के लिए घातक सिद्ध हो सकता है और इस पर तत्काल सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है।

इसके अतिरिक्त, ड्यूटी के दौरान मोबाइल फोन का अनियंत्रित उपयोग बलों की संस्थागत अनुशासन व्यवस्था को भी कमजोर दर्शाता है और आम जनता के बीच गलत संदेश प्रसारित करता है। जब नागरिक यह देखते हैं कि जिनके कंधों पर उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी है, वे निगरानी के बजाय स्क्रीन में व्यस्त हैं, तो इससे सुरक्षा तंत्र पर लोगों का भरोसा डगमगाने लगता है और संवेदनशील जिम्मेदारियों में ढिलाई को सामान्य मान लिया जाता है।

जम्मू-कश्मीर जैसे वातावरण में, जहाँ सतर्कता कोई विकल्प नहीं बल्कि अनिवार्यता है, वहाँ प्रतीकात्मक लापरवाही भी शत्रुतापूर्ण तत्वों का मनोबल बढ़ा सकती है और वर्षों की कड़ी मेहनत से अर्जित परिचालन विश्वसनीयता को कमजोर कर सकती है।यह निर्विवाद सत्य है कि आज समाज के हर वर्ग के लोग अपने मोबाइल फोन पर अनावश्यक और निरर्थक सामग्री देखने में घंटों बिताते हैं, लेकिन सुरक्षा बलों का मामला अलग और विशेष है। वे जनता की सुरक्षा की कीमत पर ऐसी छूट नहीं ले सकते, खासकर तब जब जम्मू-कश्मीर 1990 से पाकिस्तान-प्रायोजित छद्म युद्ध का सामना कर रहा है और खतरे की आशंका अत्यंत गंभीर बनी हुई है।

अंतत:, यह समझना आवश्यक है कि जब खतरे अप्रत्याशित हों और प्रतिक्रिया का समय अत्यंत महत्वपूर्ण हो, तब क्षणिक लापरवाही भी गंभीर परिणाम ला सकती है। ऐसे में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आतंकवाद से लड़ने की जिम्मेदारी संभाल रहे बलों के बीच अनुशासन, जवाबदेही और प्रौद्योगिकी के जिम्मेदार उपयोग की तत्काल पुनर्समीक्षा अनिवार्य हो जाती है।

गणतंत्र का संधान- संकल्प और चुनौतियाँ

शासन की दृष्टि से संविधान की गरिमा स्थापित करते हुए क़ानूनी रूप से उसे निर्णायक दर्जा दिया गया। आज भी सरकार चलाने वाले मंत्री और अधिकारी गण अपना दायित्व संभालने के पहले इस संविधान के लिए अपनी पूरी प्रतिबद्धता की शपथ लेते हैं। भारतीय संविधान ही सब तरह से सर्वोपरि स्वीकार किया गया। यह गौरव का विषय है कि तमाम विघ्न बाधाओं के बीच आधुनिक गणतंत्र के रूप में देश पचहत्तर वर्षों की यात्रा पूरा कर आगे बढ़ रहा है। भारत विश्व में सबसे बड़ी जनसंख्या वाला देश बन चुका है। आज पश्चिमी देशों (और चीन भी) के सामाजिक ढांचे में लोग जहाँ तेज़ी से बूढ़े हो रहे हैं, भारत एक युवा देश है और आगे भी काफ़ी समय तक युवा बना रहेगा।

गिरीश्वर मिश्र

भारत को अंग्रेज़ों के लंबे औपनिवेशिक आधिपत्य से स्वतंत्र कराने की लड़ाई के बीच भारत के तत्कालीन नेताओं ने देश के भविष्य का स्वप्न देखते हुए पूर्ण स्वराज्य की माँग की। इसके लिए संघर्ष हुआ अंग्रेजी सरकार के विरुद्ध जन आक्रोश और आंदोलन चला। अनेक वीर शहीद हुए। विभाजन की विभीषिका में लाखों लोग मारे गए और जान-माल की अपरिमित हानि हुई। इन सबके बीच गणतंत्र का स्वप्न केवल राजनैतिक सत्ता-परिवर्तन तक ही सीमित नहीं रहा बल्कि इसमें आर्थिक, सामाजिक, बौद्धिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय सभी दृष्टियों से देश में स्वराज की ओर अग्रसर होने की तीव्र आकांक्षा भी हिलोरें ले रही थी।

सन 1947 में स्वतंत्रता मिलने के बाद यह आकांक्षा 26 जनवरी 1950 को मूर्त आकार पाई जब देश ने संविधान को अपनाया था। राष्ट्र नायकों के मन में एक ऐसे गणतंत्र की छवि थी जो समाज में व्याप्त असमानताओं, ग़रीबी और अशिक्षा को दूर कर हाशिये पर स्थित उपेक्षितों को आगे ले चलने के साथ समग्र उन्नति का मार्ग प्रशस्त कर सके। इसकी पृष्ठभूमि में सर्वोदय की गूंज थी और संविधान उसका उपकरण समझा गया था। महान जननायक महात्मा गांधी के सपनों के अनुरूप देश में समरसता, समावेशिता, समानता, बंधुत्व और समता ले आने के प्रति जागरूक प्रतिबद्धता संविधान का मुख्य स्वर बना था। इस उद्देश्य से व्यवस्था के खाके को लेकर संविधान सभा में देश के प्रतिनिधियों के बीच लंबा और गहन विचार-विमर्श हुआ था। अंत में लोकतंत्र में सबका विश्वास और भी दृढ़ हुआ। फलत- अंग्रेज़ों के जाने के बाद स्वतंत्र देश ने शासन के लिए गणतंत्र की पद्धति को चुना गया। इसके तहत एक संघीय ढाँचा सोचा गया और उसके संचालन के लिए एक अत्यन्त विस्तृत लिखित संविधान भी रचा गया और उसे विधिवत अपनाया गया। यह सब बड़े अनुशासन के साथ हुआ। निश्चय ही ये नेता दूरदर्शी थे और उन्होंने बहुत हद तक भविष्य की चुनौतियों का भी अनुमान लगाया था और उसे ध्यान में रखते हुए जरूरी प्रावधान भी किए थे।

शासन की दृष्टि से संविधान की गरिमा स्थापित करते हुए क़ानूनी रूप से उसे निर्णायक दर्जा दिया गया। आज भी सरकार चलाने वाले मंत्री और अधिकारी गण अपना दायित्व संभालने के पहले इस संविधान के लिए अपनी पूरी प्रतिबद्धता की शपथ लेते हैं। भारतीय संविधान ही सब तरह से सर्वोपरि स्वीकार किया गया। यह गौरव का विषय है कि तमाम विघ्न बाधाओं के बीच आधुनिक गणतंत्र के रूप में देश पचहत्तर वर्षों की यात्रा पूरा कर आगे बढ़ रहा है। भारत विश्व में सबसे बड़ी जनसंख्या वाला देश बन चुका है। आज पश्चिमी देशों (और चीन भी) के सामाजिक ढांचे में लोग जहाँ तेज़ी से बूढ़े हो रहे हैं, भारत एक युवा देश है और आगे भी काफ़ी समय तक युवा बना रहेगा। यह एक बड़ा अवसर हो सकता है, बशर्ते युवा वर्ग को सुशिक्षित, सच्चरित्र और सुयोग्य बनाया जाय। इसके लिए शिक्षा में बड़े निवेश और पर्याप्त सुधार की जरूरत है।

इस अवधि में देश के भीतर और बाहर अनेक परिवर्तन आए हैं और कई मोर्चों पर चुनौतियां भी मिली हैं जिन्होंने इस क्षेत्र के इतिहास और भूगोल दोनों पर असर डाला है। इस बीच देश की राजनैतिक, सामाजिक और आर्थिक स्थिति में भी बड़े परिवर्तन हुए। लोकतंत्र में जन भागीदारी बढ़ी है और लोकतांत्रिक संस्थाओं की प्रतिष्ठा स्थापित हुई। दूसरी ओर वैश्विक परिदृश्य में भी बड़े उतार-चढ़ाव आए। पड़ोसी देशों में बहुत समय से अस्थिरता बनी हुई है। आज विश्व के अनेक क्षेत्रों में अशांति है और कई जगह लंबे समय से युद्ध की स्थितियाँ बनी हुई हैं। पश्चिम के देश अपने दबदबे को बनाये रखने के लिए नए-नए हथकंडे अपना रहे हैं और उनके समीकरण बन बिगड़ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की भूमिका भी प्रश्नांकित हो रही है। प्रतिस्पर्धा बढ़ने के साथ ही सत्ता और शक्ति के संतुलन जटिल, अस्थायी और बहु आयामी होते जा रहे हैं। साथ ही दूसरे देशों के साथ आपसी रिश्ता किसी देश के लिए पहले से ज्यादा महत्वपूर्ण होता जा रहा है। अब किसी देश के लिए अलग-थलग रहना कठिन है।

ऐसे में आर्थिक समृद्धि और उन्नति के लिए किसी भी देश के लिए आत्मनिर्भरता अत्यंत महत्वपूर्ण हो रही है। आर्थिक रूप से भी भारत ने बड़ी छलांग लगाई है। अब वह विश्व की चार विशालतम अर्थ व्यवस्थाओं में शुमार है। पर जहाँ जीवन के कई क्षेत्रों में कामयाबी मिल रही है वहीं मुश्किलें भी बढ़ी हैं। आज हम सब एक ऐसे मुकाम पर पहुंच रहे हैं जो राष्ट्रीय जीवन के लिए बड़ी चुनौती सिद्ध हो रहा है। यहाँ के समाज में पवित्रता, स्वच्छता और शुद्धता पर बड़ा ज़ोर दिया जाता रहा है। ऐसे ही परदुखकातरता और लोक-संग्रह भी महत्वपूर्ण रहा है। इसके विपरीत आज मिलावट, प्रदूषण और जिस तरह से बढ़ रहा है वह उन्नति की गति को थाम सकता है। दायित्वहीनता के चलते आए दिन दुर्घटना, अकाल मृत्यु, धन-जन हानि, पर्यावरण और प्रकृति के संसाधनों का क्षरण जैसे ऐसे परिणाम होते हैं जिनकी भरपाई नहीं की जा सकती। यह अलग बात है कि आम जनों की स्मृति अल्पकालिक होती है और लोग हादसों को आसानी से भुला देते हैं। इसी तरह प्रेस और मीडिया की चर्चाओं को लेकर आम जन स्तब्ध हो रहा है। राजनीति में देश की जगह जाति और क्षेत्र की अस्मिता को महत्व मिल रहा है।

देश के विकास के लिए कार्य संस्कृति महत्वपूर्ण होती है। और यह एक दुखती रग है। आज किसी भी अवसर को लोग इसी दृष्टि से देखते हैं कि जो अपेक्षित योगदान है वह कितना कम हो सकता है यानी लागत कम से कम हो और उससे मिलने वाला लाभ अधिक से अधिक हो। इस जमाने में सिर्फ़ कमाने की होड़ मची हुई है। नफा-नुकसान वाला बाज़ारू तर्क आज के जीवन का नियामक बनता जा रहा है। ऐसे में गरीब-अमीर की खाई चौड़ी होती जा रही है। प्रकृति (धरती-जल, जंगल-वायु, अन्न-मिष्ठान्न, शाक-भाजी), संस्थाएं (मीडिया, सरकारी दफ्तर, न्यायालय, वृद्धाश्रम, अस्पताल, विद्यालय, विश्वविद्यालय) के साथ-साथ दवा-दारू, आचार-विचार, नाते-रिश्ते, हर कहीं भ्रष्टाचार, बेईमानी और मिलावट की घटनाएँ बढ़ रही हैं।

यह दुखद है कि दुराचरण की हद सिर्फ नेता, व्यापारी, बैंकर, न्यायाधीश, मंत्री, राज्यपाल, सचिव, अन्य अधिकारी, डाक्टर, प्राध्यापक, कुलपति सभी संलिप्त होते पाए जा रहे हैं।

आर्थिक अपराधों और रिश्ते में हैवानियत के संगीन मामले दुर्भाग्य से दिन पर दिन बढ़ रहे हैं। कहाँ तो विशिष्ट जन दूसरों के लिए मानदंड बनते ताकि लोग उनका अनुसरण करते।

ईमानदारी और सच्चरित्रता उनका स्वाभाविक गुण होना था और अपेक्षा थी कि वे दूसरों के लिए राह बनायेंगे- महाजनो येन गत- स पंथा-। पर यह हो नहीं पा रहा है। तमाम सरकारी प्रयासों और आम जनों के लिए हितकारी योजनाओं के बावजूद बाहुबल और धनबल के चलते सामान्य आदमी और सीमांत जनों की मुश्किलें बनी हुई हैं। संसाधनों और सुविधाओं की पहुँच को लेकर गंभीर समस्याएं अभी भी बनी हुई हैं।

यह भी उल्लेखनीय है कि आज की जीवन शैली बाजार और मीडिया से संचालित होती जा रही है। भौतिक समृद्धि की लालसा के साथ सभी इसी आपाधापी में हैं कि कितना कुछ कितना जल्दी हासिल कर लें। पाने की अँधियाली हवस को कुछ भी तृप्त नहीं कर पा रहा है। अब यह विचार कि हमें सचमुच उस वस्तु की आवश्यकता है कि नहीं खरीददारी का आधार नहीं रहा। नया माडल, दूसरों से तुलना और प्रतिस्पर्धा में दूसरों को मात देना खरीददारी का मुख्य आधार बन रहा है। मीडिया का फरेब आग में घी का काम करता है। पुराना छोड़ने और नया पाकर ही आदमी को गतिशीलता, प्रगति या उन्नति का अहसास होता है नहीं तो ठहरने और ऊब के बीच जीवन नीरस लगने लगता है। समाज के स्तर पर अतिशय भोग का असर अनियंत्रित रूप से फैलता जा रहा है। सामाजिक-सांस्कृतिक परिवर्तन की लहर असंतोष को जन्म दे रही है भारत एक धर्मप्रधान देश रहा है जिसमें कर्तव्य, सत्य, त्याग, अहिंसा और तप जैसे मूल्य जीवन को दिशा देते आए हैं। उन्नति और नवाचार के साथ विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए इन मूल्यों को आत्मसात करना होगा। लोकतंत्र स्वच्छंदता से नहीं चल सकता। उसके लिए अनुशासन जरूरी है। समय के साथ स्वत: ही समस्याओं का समाधान हो जाएगा, यह सोचना दुराशा है।

वैश्विक विश्वास बहाली के लिए भारत को अभी कई कदम चलना है

-डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत की उपस्थिति आज आर्थिक, औद्योगिक, कृषि, तकनीकी, ऊर्जा और सैन्य क्षेत्रों में दुनिया के अग्रणी देशों के समकक्ष पहुंच गई है। विश्व में भारत जनसंख्या के नजरिए से दूसरे स्थान पर है। दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का ऐतिहासिक मुकाम हासिल हमने किया है।

क्रय शक्ति समानता के आधार पर भारत पहले से ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। विनिर्माण और औद्योगिक क्षेत्र में भी भारत ने बड़ा उछाल दर्ज किया है। एशिया मैन्युफैक्चरिंग इंडेक्स में भारत शीर्ष 10 देशों में शामिल है और मोबाइल फोन निर्माण के क्षेत्र में भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक बन चुका है। इसी तरह फार्मास्युटिकल उद्योग में भारत को दुनिया की फार्मेसी कहा जाता है क्योंकि यह जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा वैश्विक आपूर्तिकर्ता और फार्मा उत्पादन में शीर्ष तीन देशों में शामिल है।

इसी तरह से कृषि क्षेत्र में भारत की वैश्विक स्थिति और भी मजबूत है। वह आज दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है। दालों और मसालों के उत्पादन में भारत विश्व में पहला स्थान रखता है, जबकि चावल और गेहूं के उत्पादन में भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। चीनी उत्पादन और उपभोग दोनों में भारत वैश्विक स्तर पर दूसरे स्थान पर है। वस्तुत- ये आँकड़े बताते हैं कि भारत खाद्य सुरक्षा में आत्मनिर्भर होने के साथ ही वैश्विक खाद्य आपूर्ति में भी अहम भूमिका निभा रहा है।

प्रौद्योगिकी और डिजिटल क्षेत्र में भारत की स्थिति लगातार मजबूत हो रही है। आईटी और सॉफ्टवेयर सेवाओं के निर्यात में भारत दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल है और कई रिपोर्टों के अनुसार यह क्षेत्र भारत को वैश्विक स्तर पर पहला या शीर्ष स्थान दिलाता है। यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म के माध्यम से भारत आज डिजिटल लेनदेन के मामले में दुनिया के सबसे बड़े देशों में शामिल हो चुका है, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक मॉडल के रूप में देखा जा रहा है।

ऐसे ही अन्य प्रमुख क्षेत्रों की बात करें तो भारत की पर्यटन अर्थव्यवस्था अब दुनिया की आठवीं सबसे बड़ी पर्यटन अर्थव्यवस्था बन चुकी है। सैन्य शक्ति के मामले में ग्लोबल फायरपावर इंडेक्स जैसी रैंकिंग के अनुसार भारत के पास दुनिया की चौथी सबसे शक्तिशाली सेना है। ऊर्जा क्षेत्र में सौर तथा पवन ऊर्जा क्षमता के मामले में भारत आज दुनिया के शीर्ष पाँच देशों में शामिल है। इसके साथ ही कच्चा इस्पात उत्पादन में भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर है। निश्चित ही ये सभी आंकड़ें हमें उत्साह से भर देते हैं, किंतु इसके बाद भी विश्व के देशों के बीच विश्वास बहाली में अभी भी हमको अनेक कदम सफलता से पार करने की आवश्यकता है।

कहना होगा कि अभी भी भारत दुनिया के देशों में अपने को लेकर वह भरोसा नहीं पैदा कर पाया है, जोकि उसे लेकर होना ही चाहिए, क्योंकि उसका मूख्य ध्येय वाक्य वसुधैव कुटुंबकम् अर्थात् पूरी धरती ही एक परिवार है में निहित है। किंतु 2026 की पासपोर्ट रैंकिंग के आए आंकड़े क्या कहते हैं यह कि 2026 में भारत 80वें स्थान पर है, जो पिछले साल के मुकाबले पांच पायदान ऊपर जरूर आया है, किंतु संतोष जनक या उत्साहवर्धक नहीं हैं। हालांकि 2025 में भारत 85वें पायदान पर था, यह सच है कि हमारी स्थिति पहले से लगातार सुधर रही है और वर्तमान में भारतीय पासपोर्ट धारकों को अब 55 देशों में वीजा फ्री या वीजा ऑन अराइवल सुविधा मिलती है। माना कि यह सुधार सकारात्मक संकेत देता है, लेकिन साथ में ये भी विचार किया जाए कि हमसे आगे 54 देश कौन से हैं

इस साल सिंगापुर का पासपोर्ट दुनिया का सबसे शक्तिशाली घोषित किया गया। इसका अर्थ यह है कि सिंगापुर का पासपोर्ट रखने वाला व्यक्ति बिना वीजा 192 देशों में यात्रा कर सकता है। सिंगापुर के बाद दूसरे स्थान पर जापान और साउथ कोरिया हैं, जिन्हें 188 देशों में वीजा फ्री एंट्री मिलती है। यूरोप के कई देश तीसरे और चौथे पायदान पर हैं, जबकि संयुक्त अरब अमीरात ने बीते दो दशकों में 57 पायदान की छलांग लगाते हुए खुद को टॉप 5 में पहुंचा दिया है।

अमेरिका की स्थिति भी चर्चा में है, पिछले साल गिरावट के बाद अमेरिका फिर टॉप 10 में लौट आया है और 179 देशों में वीजा फ्री पहुंच के साथ 10वें स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और मलेशिया भी टॉप 10 में जगह बनाने में सफल रहे हैं। इसके उलट दुनिया के सबसे कमजोर पासपोर्ट की सूची में अफगानिस्तान सबसे नीचे है। अफगान पासपोर्ट के साथ केवल 24 देशों में बिना वीजा यात्रा संभव है, उसके बाद सीरिया (100वें), इराक (99वें), पाकिस्तान (98वें), यमन और सोमालिया जैसे देश हैं।

ये रिपोर्ट कहती है कि आज सबसे मजबूत और सबसे कमजोर पासपोर्ट के बीच 168 देशों का अंतर हो चुका है। पाकिस्तान 98वें रैंक में आकर टॉप 100 में आने में कामयाब हो गया। पिछले साल यह 103 पर था। अब इसमें बड़ा प्रश्न यह है कि क्या हम अपनी तुलना इस संदर्भ में बांग्लादेश, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल या अपने अन्य पड़ौसी देशों से करें क्या ये तुलना सही होगी या फिर हमें विकास के शीर्ष देशों और चीन, जर्मनी, कोरिया, जापान के साथ अमेरिका, युरोप के बड़े और सफल देशों के साथ अपनी तुलना करनी चाहिए! इस हेनले पासपोर्ट इंडेक्स की नवीनतम रिपोर्ट में वैश्विक रैंकिंग में चीन इस वर्ष 59वें स्थान पर है। चीनी पासपोर्ट धारक अब दुनिया के 81 देशों में बिना पूर्व वीजा (वीजा-मुक्त या आगमन पर वीजा) के यात्रा कर सकते हैं। पिछले एक दशक में चीन की रैंकिंग में काफी सुधार हुआ है। 2015 में यह 94वें स्थान पर था, जो अब 59वें पर आ गया है। इसी तरह से टॉप 10 में शामिल सिंगापुर समेत जैसा कि बताया गया है कि आज जापान, साउथ कोरिया, डेनमार्क, लक्जमबर्ग, स्पेन, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, आयरलैंड, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, हंगरी, पुर्तगाल, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया, यूएई, क्रोएशिया, चेकिया, एस्टोनिया, माल्टा, न्यूजीलैंड, पोलैंड, ऑस्ट्रेलिया, लातविया, लिकटेंस्टाइन, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा, आइसलैंड, लिथुआनिया, मलेशिया और दसवें नंबर पर अमेरिका इसमें शामिल है।

सरदार जोधसिंह - 40 रुपये की पूंजी से कायम किया अरबों का साम्राज्य, अनपढ़ होकर भी शिक्षा की अलख जगायी

पुण्यतिथि (25 जनवरी) पर विशेष- सीताराम अग्रवाल

भारत के विभाजन के दंश का शिकार 27 वर्ष का एक युवक पाकिस्तान से सिर्फ तीन कपड़ों में भारत आता है। यहां आने पर अमृतसर के गुरूद्वारा में रूकता है। पर सिर्फ 10-15 दिनों में ही उसकी आत्मा छटपटाने लगती है। ऐसा कैसे चलेगा। वहां से रोजी-रोटी की तलाश में निकल पड़ता है। रास्ते में एक व्यक्ति से 40 रुपये में एक भैंस खरीदता है तथा हाथों-हाथ उसे 102 रुपये में बेच कर उस व्यक्ति को 40 रुपये वापस देकर अपनी कुशाग्र व्यावसायिक बुद्धि का परिचय देता है। कुछ ही समय बाद युवक कलकत्ता (अब कोलकाता) चला आता है तथा अपनी लगन, मेहनत, निष्ठा के बलबूते अरबों रुपये का साम्राज्य खड़ा कर लेता है। परिस्थिति ने इस युवक को पढ़ने का मौका तो नहीं दिया, पर आगे एक ऐसी घटना हुई कि इन्होंने शिक्षण संस्थानों की एक श्रृंखला ही स्थापित कर दी, जहां आज हजारों बच्चे प्रति वर्ष उच्च कोटि की शिक्षा प्राप्त कर न सिर्फ अपनी आजीविका चला रहे हैं, बल्कि देश का नाम भी रोशन कर रहे हैं। कैसे हुआ यह चमत्कार। इस लेख के जरिये मैं इसकी एक झलक दिखाना चाहता हूं, क्योंकि इस महान व्यक्तित्व की वर्षों की लम्बी साधना को थोड़े से शब्दों में नही बांधा जा सकता।

यह मेरा सौभाग्य है कि इस हस्ती का सानिध्य, स्नेह व अपनापन कुछ वर्षों तक मुझे भी मिला। इस शख्सियत का नाम है सरदार जोधसिंह। इन्होंने गाय-भैंस व दूध के कारोबार में विशाल सम्पत्ति अर्जित की। इनके द्वारा स्थापित शिक्षण संस्थानों की श्रृंखला का नाम है- जेआईएस ग्रुप। एक फरवरी 1920 को जन्में जोधसिंह का स्वर्गवास 25 जनवरी 2018 को हुआ है। सरदार जोधसिंह का जन्म अविभाजित पंजाब के मोन्टोगोमेरी जिले के एक सुदूरवर्ती गांव में हुआ था। 1947 में भारत विभाजन के बाद ये वहां से चले आये। लानेवाले ने अमृतसर गुरूद्वारा के पास छोड़ दिया। अब इन्ही के शब्दों में- पाकिस्तान से तीन कपड़े में आने के बाद 10-15 दिन तो गुरुद्वारे में गुजारे। पर सोचा, ऐसा कैसे चलेगा। कुछ धंधा- पानी तो करना चाहिए। मैंने गुरुद्वारे में रह रहे कुछ गांव वालों से पूछा कि वे कहां रहते हैं और क्या करते हैं। जवाब मिला- लुधियाना। मैंने पूछा कि मेरे लिए जगह है। बताया गया कि पूरी जगह खाली पड़ी है। बस निकल पड़ा। रास्ते में एक व्यक्ति भैंस ले जाते हुए दिखायी पड़ा। पूछा- बड़े मिया भैंस बेचेंगे। उसने कहा- हां। मैंने कहा- पाकिस्तान से आये हैं, मेरे पास पैसे नहीं है। मैं इस भैंस के 40 रुपये दे सकता हूँ। थोड़ी देर बाद। बड़े मियां राजी हो गये और उनसे लेकर वह भैंस मैंने 102 रुपये में बेच दी तथा उनके 40 रुपये दे दिये।

इसके कुछ समय बाद सरदार जी कलकत्ता आ गये। यहाँ उन्होंने गाय- भैंस व दूध का धंधा शुरू किया, जो जोर- शोर से चल पडा। यहाँ तक कि कई सरकारी डेयरियों मे इनका दूध सप्लाई होने लगा। फिर तो बंगाल में इनकी कई खटालें (जहाँ सामूहिक रूप से गाय भैंसें रखी जाती हैं, बंगाल में उसे खटाल कहते हैं) हो गयीं। ऐसी ही एक बहुत बड़ी खटाल कमरहट्टी स्थित मेरे घर के पास थी। कहते हैं, वहां करीब 4-5 हजार गाय-भैंसे थीं।

उस इलाके में एक विद्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह में मेरा परिचय इनसे हुआ था। यह सिलसिला वर्षों चला । 15 अगस्त, सरस्वती पूजा के साथ विभिन्न समारोहों में हम मिलते रहे। मैंने एक बात और नोटिस की।

वो कभी भाषण नहीं देते थे। उनके हिस्से की खानापूरी मुझे ही करनी पड़ती थी। शुरू-शुरू में कुछ बातें आशीर्वाद स्वरूप ही बोलने के लिए मैं जोर देता था तो वे मेरी पीठ थपथपा कर कहते- पुत्तर, आप अच्छा बोलते हो। आप ही बोलो। बाद में मुझे समझ में आया कि सरदार जी बोलने से ज्यादा कर्म करने में विश्वास करते थे। हां स्कूलों को आर्थिक मदद करने में कोई कोताही नहीं बरतते थे। आगे चल कर इसी खटाल के एक हिस्से में इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना की गयी, जिसका उद्घाटन तत्कालीन मुख्यमंत्री ज्योति बसु ने किया था। मुझे भी सरदार जी ने इस समारोह में आमंत्रित किया था। उन्होंने ज्योति बसु को तलवार भेंट की थी।

अब मैं बताता हूं कि वह घटना क्या धी, जिसकी वजह से दूध व्यवसाय के साथ ही सरदार जोधसिंह शिक्षण संस्थानों के निर्माण में जुट गये और जेआईएस ग्रुप ही बना डाला। उन्ही के शब्दों में- मैं नहीं पढ़ सका, क्योंकि पैसे नहीं थे। पर बाद में जब पैसे हुए तो बड़े लड़के को पढ़ने के लिए स्कूल ले गया। वहां उन लोगों ने हमसे अंग्रेजी में बात की। अब न मुझे अंग्रेजी आती थी न मेरे लड़के को। हम अपनी बात उन्हें समझा नहीं पाये। अत- मेरे लड़के को दाखिला नहीं मिला। मुझे अफसोस हुआ। झटका-सा लगा। बस मन में विचार आया कि ऐसे शिक्षण संस्थान बनाये जायें, जहां इस तरह की बातें न हो और बच्चे भी जीवन में कुछ बन पाये।

इसके बाद सरदार जोधसिंह ने अपने भाई ईश्वर सिंह के साथ मिलकर जेआईएस ग्रुप की स्थापना की। जेआईएस का अर्थ है जोध ईश्वर सिंह। इस समय इस ग्रुप के तहत शिक्षण संस्थानों का एक विशाल जाल है, जिसके तहत हजारों विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। प्रथम इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना आसनसोल में 1998 में , इसके बाद कल्याणी में 2000 में इंजीनियरिंग कालेज, नारूला इन्स्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी (जिसका उद्घाटन ज्योति बसु ने किया था) 2001 में तथा पहला गैर सरकारी डेन्टल कालेज पानीहाटी में 2003 में स्थापित हुआ। एक बार मैंने सरदार जोधसिंह से इन कालेजों के बारे में उनका साक्षात्कार लेना चाहा तो उन्होंने साफ लहजे में कहा- देखो पुत्तर, मैं तो अंगूठाछाप हूं।

मुझसे गाय- भैंस के बारे में किसी भी तरह की बात पूछ सकते हो, कालेजों के बारे में कुछ पूछना हो तो बच्चों से पूछो। आप कल्पना कर सकते हैं कि आज के जमाने में थोड़ा सा पढ़ा-लिखा धनाढ्य व्यक्ति अपनेआप को ऐसे दिखाता है, मानो वह विद्यासागर का अवतार हो, पर जेआईएस ग्रुप का प्रतिष्ठाता चेयरमैन अपने आप को खुलेआम अंगूठाछाप बताता है।थोड़ी देर के लिए मान भी लिया जाये कि जोधसिंह जी को परिस्थितिवश स्कूली शिक्षा न मिली हो, तो भी यह तो मानना ही पड़ेगा कि उनके अन्दर किसी दैवीय शक्ति की बदौलत ज्ञान का भंडार रहा होगा, तभी तो जानवरों के बीच रहनेवाले ने विद्या के इतने मंदिर बनवाये। इतना ही नहीं श्री जोधसिंह ने 2014 में राज्य का पहला गैर सरकारी विश्वविद्यालय बनवाया, जिसके चांसलर इस समय इनके बड़े सुपुत्र तरणजीत सिंह है, जिन्हें कभी अंग्रेजी न जानने के कारण स्कूल में दाखिला नहीं मिला था। इस समय तो पूरे जेआईएस ग्रुप तथा अन्य कारोबार की कमान भी इनके हाथ में है। इनके सुपुत्र सरदार समरप्रीत सिंह भी काफी होनहार हैं, जो विश्वविद्यालय के डायरेक्टर होने के साथ-साथ अन्य कामकाज भी संभाल रहे हैं।

अंत में यदि एक बात का जिक्र न करूँ तो यह लेख अधूरा लगेगा। कहते हैं हर सफल व्यक्ति की सफलता के पीछे उसकी धर्मपत्नी का हाथ होता है। यह बात उनकी सहधर्मिणी सरदारनी सतनाम कौर पर पूरी तरह लागू होती है। 15 अप्रैल 1929 को जन्मी कौर जेआईएस ग्रुप की चेयरपर्सन थीं।

कामकाज संभालने के साथ आप धर्मपारायण भी थीं। डनलप स्थित घर के आसपास अनाथ बच्चों की देखभाल तथा गरीब तबके के लोगों की सहायता करती रहती थीं। वे इलाके में गुरूमाता के नाम से जानी जातीं थी। पति के गुजरने के मात्र 4 साल के अन्दर ही 11 जनवरी 2022 को वे भी उनके पास चलीं गयीं। जोधसिंह जी अपनी उम्र के ढलान में भले ही डनलप वाले घर में अधिकतर रहने लगे थे, पर पंजाभिला स्थित खटाल वाले घर को कभी नहीं भूले। उनका कहना था- आप इसे तबेला कहो, खटाल कहो या फिर मेरा नशा, इसको छोड़ेंगे नहीं।

अंडर-16 क्रिकेट टूर्नामेंट : रुक्मणी एकेडमी मुरादाबाद ने जीती ट्रॉफी

एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद की रुक्मणी एकेडमी की क्रिकेट टीम ने अमरोहा के मिनी स्टेडियम में चल रहे देवेंद्र चंदेल मेमोरियल अंडर-16 क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला रुक्मणी एकेडमी मुरादाबाद ने जीत लिया। इस टीम में रामपुर क्रिकेट एकेडमी को 44 रन से हराकर ट्राफी अपने नाम कर ली। इस दौरान रुक्मणी के कृष्णा यादव प्लेयर ऑफ द मैच और बेस्ट बॉलर चुने गए। जबकि फैज मोहम्मद को बेस्ट बल्लेबाज का खिताब दिया गया है। रुक्मणी क्रिकेट एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और 26 ओवरों में 117 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। इस दौरान अपनी टीम के लिए फैज मोहम्मद ने 42 गेंदों में सबसे ज्यादा 36 रनों की पारी खेली। असजद ने 34 गेंदों में 19 रन, मो. ईशा 10 गेंदों में 11 रन, कृष्ण यादव ने 15 गेंदों में 15 रन बनाए। इसी तरह अब्दुल रहमान ने 16 गेंदों में 12 रनों का योगदान दिया।रामपुर के लिए कुलदीप यादव ने गेंदबाजी करते हुए छह ओवरों में 20 रन देकर तीन विकेट झटके तो आकाश चौहान ने भी छह ओवरों में 14 रन देकर तीन विकट चटकाए। जबकि सुमित सागर ने चार ओवरों में 19 रन देकर दो विकेट चटकाए। वहीं, प्रियांशु कुमार ने तीन ओवरों में 12 रन देकर एक विकेट लिया।

इंग्लैंड के खिलाफ ऐतिहासिक मिक्स्ड डिसेबिलिटी टी20आई सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित

नई दिल्ली। डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया(डीसीसीआई) ने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की मिक्स्ड डिसेबिलिटी टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। यह ऐतिहासिक सीरीज 29 जनवरी से 6 फरवरी तक ग्रेटर नोएडा और जयपुर में खेली जाएगी। भारतीय टीम की कमान रविंद्र सांते को सौंपी गई है, जबकि विवेक कुमार को उप-कप्तान बनाया गया है। यह सीरीज खास मानी जा रही है, क्योंकि इसमें शारीरिक दिव्यांगता, श्रवण बाधित (डेफ) और बौद्धिक दिव्यांगता से जुड़े खिलाड़ी एक साथ एक ही अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिस्पर्धा करेंगे। सीरीज के शुरुआती तीन मुकाबले ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्टेडियम में खेले जाएंगे, जबकि अंतिम दो मैच जयपुर में आयोजित होंगे। भारतीय टीम का राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न हो गया है और खिलाड़ी 25 जनवरी को ग्रेटर नोएडा के लिए रवाना होंगे।

खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2026: लद्दाख को पहली स्वर्ण सफलता, हरियाणा शीर्ष पर कायम

लेह (लद्दाख)। मेजबान लद्दाख ने खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2026 में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 2000 मीटर शॉर्ट ट्रैक रिले में स्वर्ण पदक जीतकर अपने अभियान का पहला गोल्ड अपने नाम किया। वहीं, हरियाणा के सचिन सिंह के शानदार प्रदर्शन की बदौलत हरियाणा ने शॉर्ट ट्रैक स्केटिंग में दो और स्वर्ण पदक जीतते हुए कुल चार गोल्ड के साथ पदक तालिका में शीर्ष स्थान बनाए रखा। नवांग दोरजे स्टोबदान स्टेडियम में हुई महिलाओं की 2000 मीटर शॉर्ट ट्रैक रिले में लद्दाख की चौकड़ी–स्कार्मा त्सुल्तिम, शबाना ज़ारा, तस्निया शमीम और इंशा फातिमा ने दमदार प्रदर्शन करते हुए कर्नाटक और महाराष्ट्र को पीछे छोड़ा। रोमांचक रेस में कई बार गिरने के बावजूद लद्दाख की टीम ने शानदार वापसी करते हुए स्वर्ण पदक जीता। इस जीत के साथ लद्दाख पदक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। हरियाणा के सचिन सिंह दिन के सबसे बड़े सितारे रहे। उन्होंने पहले पुरुषों की 500 मीटर शॉर्ट ट्रैक स्प्रिंट में स्वर्ण पदक जीता और इसके बाद 3000 मीटर शॉर्ट ट्रैक रिले में हरियाणा टीम को गोल्ड दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इसके साथ ही सचिन खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2026 में दो स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले स्केटर बन गए।

उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर मीरजापुर में खेलों का उत्सव

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश राज्य स्थापना दिवस-2026 के अवसर पर मीरजापुर जिले में शनिवार को जिला स्तरीय जूनियर बालक कुश्ती एवं कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला युवा कल्याण अधिकारी दिनेश कुमार एवं क्रीड़ा अधिकारी धर्मवीर सिंह का सुरेश चन्द्र यादव और विवेक कुमार मिश्र ने बैज लगाकर स्वागत किया।

इसके बाद मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें खेल भावना, अनुशासन और मेहनत का संदेश देते हुए प्रतियोगिता का शुभारम्भ कराया। प्रतियोगिता के दौरान कुश्ती और कबड्डी के मुकाबले बेहद रोमांचक रहे। खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर दर्शकों का अपनी ओर ध्यान आकृष्ट किया। आयोजन का उद्देश्य युवाओं में खेल प्रतिभा को प्रोत्साहित करना और उन्हें स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के लिए मंच प्रदान करना रहा। इस अवसर पर निधि सिंह पटेल, सुरेश चन्द्र यादव, शेरबहादुर, अर्शी परवीन सिद्दकी, विवेक कुमार मिश्र, देशपाल सिंह, मारूति नन्दन राय, माजिद अली, दीक्षा सहित अन्य खेल प्रेमी व अधिकारी मौजूद रहे। आयोजकों ने प्रतियोगिता को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

टी20 विश्व कप: बांग्लादेश का समर्थन करने पर पाकिस्तान से नाराज आईसीसी, हो सकती है सख्त कार्रवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप को लेकर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और आईसीसी के बीच जारी तनातनी में पाकिस्तान की एंट्री उसके लिए नुकसानदायक हो सकती है। पाकिस्तान ने आईसीसी के साथ जारी विवाद में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड का समर्थन किया है। इससे आईसीसी नाराज है और पाकिस्तान के खिलाफ भी कार्रवाई कर सकती है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए टी20 विश्व कप के अपने मैच भारत में खेलने से मना कर दिया था और विश्व कप से अपना नाम वापस ले लिया था। आईसीसी ने बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को एंट्री दे दी है। इस बीच बांग्लादेश को पाकिस्तान का समर्थन मिलने के बाद यह विवाद और गहरा गया है। बताया जा रहा है कि अगर यह मामला सुलझता नहीं है

तो पाकिस्तान अपने टूर्नामेंट में भाग लेने के फैसले की समीक्षा कर सकता है। आईसीसी द्वारा आधिकारिक रूप से बांग्लादेश को विश्व कप से बाहर करने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा कि पाकिस्तान की भागीदारी पर अंतिम फैसला सरकार लेगी।मोहसिन नकवी ने आईसीसी पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि बांग्लादेश के साथ अन्याय हुआ है। एक देश को जब चाहे फैसले लेने की छूट है, जबकि दूसरे देशों के लिए नियम अलग हैं। बांग्लादेश एक बड़ा स्टेकहोल्डर है और उसके साथ ऐसा व्यवहार नहीं होना चाहिए। नकवी ने यह भी सवाल उठाया कि जब आईसीसी ने पाकिस्तान और भारत के लिए वेन्यू बदलने जैसे फैसले लिए थे, तो बांग्लादेश के मामले में वही नीति क्यों नहीं अपनाई गई। पीसीबी सीधे आईसीसी के अधीन नहीं है, बल्कि पाकिस्तान सरकार के प्रति जवाबदेह है। प्रधानमंत्री अभी पाकिस्तान से बाहर हैं। उनके लौटने के बाद सरकार इस मुद्दे पर अंतिम फैसला लेगी और बोर्ड उन्हीं के निर्देशों का पालन करेगा। नकवी के इस बयान को आईसीसी ने नकारात्मक रूप से लिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, नकवी के बयान के बाद आईसीसी पाकिस्तान पर कई तरह के प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहा है, जिनमें एशिया कप से संभावित बैन भी शामिल है।

प्रदेश स्तरीय कुश्ती (पुरुष) प्रतियोगिता का ट्रायल 25 जनवरी को

एजेंसी

मुरादाबाद। क्रीड़ा अधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि प्रदेश स्तरीय कुश्ती (पुरुष) प्रतियोगिता 28 से 30 जनवरी तक नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्पोर्ट्स सोनकपुर स्टेडियम में खेली जाएगी। साथ ही सब जूनियर वॉलीबॉल बालक वर्ग की प्रतियोगिता लखनऊ में और बालिका वर्ग की आगरा में खेली जाएगी। इन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने वाली मुरादाबाद मंडल की टीम का चयन ट्रायल के माध्यम से होगा। कुश्ती की टीम का ट्रायल 25 जनवरी को नेताजी सुभाषचंद बोस स्पोर्ट्स सोनकपुर स्टेडियम मुरादाबाद में होगा। क्रीड़ा अधिकारी सुनील कुमार ने आगे बताया कि वॉलीबॉल बालक वर्ग की टीम का जिला स्तर पर ट्रायल 30 जनवरी व मंडल स्तर पर 31 जनवरी को सोनकपुर स्टेडियम में ही लिया जाएगा। वहीं सब जूनियर वॉलीबॉल बालक वर्ग की प्रतियोगिता 2 से 5 फरवरी तक लखनऊ में और बालिका वर्ग की प्रतियोगिता 7 से 10 फरवरी तक आगरा में खेली जाएगी। वॉलीबॉल बालिका वर्ग की टीम का जिला स्तर पर ट्रायल 4 फरवरी और मंडल स्तर पर 5 फरवरी को आयोजित होगा।

दिल्ली कैपिटल्स की ऑलराउंडर मिन्नू मणि ने अपने प्रदर्शन को लेकर संतोष जताया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स की ऑलराउंडर मिन्नू मणि ने अपने प्रदर्शन को लेकर संतोष जताया है। उन्होंने कहा कि जब टीम को उनकी जरूरत थी, तब योगदान दे पाकर उन्हें बेहद खुशी हुई। मिन्नू ने माना कि पिछले कुछ मैचों में उनका प्रदर्शन वैसा नहीं रहा जैसा वह चाहती थीं। हालांकि उन्होंने हर मैच में पूरी कोशिश की थी।

दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए सीजन की तीसरी जीत हासिल की। मैच में पहले फील्डिंग का फैसला करते हुए दिल्ली के गेंदबाजों ने आरसीबी को 109 रन पर ऑल आउट कर दिया। नंदनी शर्मा ने 26 रन देकर 3 विकेट लिए। उनके अलावा मारिजान कैप (2 विकेट), चिनले हेनरी (2 विकेट) और मिन्नू मणि (2 विकेट) ने भी अनुशासित गेंदबाजी करके विरोधी टीम को रोका। इसके बाद 110 रनों का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने शुरुआती

झटकों के बाद संभलकर खेलते हुए लक्ष्य को हासिल किया। कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स और लॉरा वोल्वार्ड्ट ने 52 रनों की साझेदारी करके पारी को संभाला, जिसमें वोल्वार्ड्ट 42 रन बनाकर नाबाद रहीं और रोड्रिग्स ने 24 रनों का अहम योगदान दिया। दिल्ली ने 3 विकेट पर 111 रन बनाकर मैच जीत लिया और प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने की उम्मीद कायम रखी। मैच के बाद गेंदबाजी और एक यूनिट के तौर पर उसे लागू करने के बारे में बात करते हुए दिल्ली कैपिटल्स की ऑलराउंडर मिन्नू मणि ने कहा, हम मैच में जाने से पहले अपने प्लान को लेकर बहुत स्पष्ट थे। हम जानते थे कि यहां की विकेट धीमी और नीची होगी। एक गेंदबाजी ईकाई के तौर पर, हमने सही लेंथ पर गेंद डालने पर फोकस किया और बहुत ज्यादा कुछ करने की कोशिश नहीं की। सबने अपनी-अपनी भूमिका निभाई और जिस तरह से हमने मिलकर अपने प्लान को लागू किया, उससे बहुत बड़ा फर्क पड़ा।

78वीं देहरादून जिला क्रिकेट लीग के लिए आमंत्रण जारी, अंडर-19 खिलाड़ियों को मिलेगा बड़ा मंच

एजेंसी

देहरादून। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ खंड (सीएयू) के तत्वावधान में आयोजित होने वाली 78वीं देहरादून डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट लीग की तैयारियां शुरू हो गई हैं। 2026-27 सत्र में प्रस्तावित यह टूर्नामेंट अंडर-19 लड़कों की श्रेणी में खेला जाएगा, जिसका उद्देश्य जिले में उभरती क्रिकेट प्रतिभाओं को पहचान देना और उन्हें प्रतिस्पर्धी मंच उपलब्ध कराना है। लीग के कन्वीनर पी.सी. वर्मा ने जिले के विभिन्न क्रिकेट क्लबों और खेल संस्थाओं को औपचारिक आमंत्रण भेजते हुए टूर्नामेंट में भाग लेने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता युवा खिलाड़ियों के लिए अपनी क्षमता दिखाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है और इससे जिला क्रिकेट को नई दिशा मिलेगी। संभावना जताई जा रही है कि टूर्नामेंट की शुरुआत फरवरी 2026 से होगी, जबकि मैचों की अंतिम तिथियों और कार्यक्रम की घोषणा शीघ्र की जाएगी। आयोजन पूरी तरह से बीसीसीआई और क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप किया जाएगा।

अंडर-19 वर्ग में वही खिलाड़ी भाग ले सकेंगे जिनकी जन्मतिथि 1 सितंबर 2007 या उसके बाद की हो। सभी क्लबों और खिलाड़ियों को पात्रता से जुड़े दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। आयु सत्यापन और पंजीकरण से संबंधित मामलों में एसोसिएशन का निर्णय अंतिम माना जाएगा।

पंजीकरण प्रक्रिया

पंजीकरण फॉर्म क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। कार्यालय का पता है–

मेजर राजी सराय, परगना कंपाउंड के पास, हथी खाना चौक, देहरादून (पिन-248001)।

फॉर्म 19 से 24 जनवरी 2026 तक सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच उपलब्ध रहेंगे।

शुल्क विवरण

नए पंजीकृत क्लब/संस्था के लिए: रुपये5,000

पहले से पंजीकृत क्लबों के लिए: रुपये20,000

खिलाड़ी पंजीकरण शुल्क: ?500 प्रति खिलाड़ी

(जो खिलाड़ी पहले से देहरादून डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट लीग 2026-27 में पंजीकृत हैं, उनसे यह शुल्क नहीं लिया जाएगा।)

शुल्क डिमांड ड्राफ्ट या नकद के माध्यम से एसोसिएशन कार्यालय में जमा किया जा सकता है। यह जिला स्तरीय प्रतियोगिता न केवल युवा क्रिकेटरों को आगे बढ़ने का अवसर देगी, बल्कि भविष्य के राज्य और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों की नींव भी मजबूत करेगी।

अंडर-19 विश्व कप: भारत ने न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया, जीत का सिलसिला रखा बरकरार

एजेंसी

बुलावायो। भारतीय अंडर-19 पुरुष क्रिकेट टीम ने 2026 आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप में अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए ग्रुप चरण के एक बारिश से प्रभावित मुकाबले में न्यूजीलैंड को सात विकेट से शिकस्त दी। यह मुकाबला जिम्बाब्वे के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेला गया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और 135 रन पर सिमट गई। तेज गेंदबाज आर.एस. अम्ब्रिश ने घातक गेंदबाजी करते हुए 29 रन देकर चार विकेट झटके, जबकि हेनिल पटेल ने तीन अहम सफलताएं हासिल कीं। न्यूजीलैंड की पारी की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। जवाब में भारत ने लक्ष्य का पीछा आत्मविश्वास के साथ किया। वैभव सूर्यवंशी और कप्तान आयुष म्हात्रे ने पारी को संभाल लिया।

हालांकि टीम ने एरन जॉर्ज का विकेट जल्दी गंवा दिया, लेकिन इसके बाद सूर्यवंशी ने 23 गेंदों में 40 रन की तेज पारी खेली, जबकि म्हात्रे ने 27 गेंदों में 53 रन बनाकर मैच पर भारत की पकड़ मजबूत कर दी। अंत में विहान मल्होत्रा (नाबाद 17) और वेदांत त्रिवेदी (नाबाद 13) ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए टीम को जीत तक पहुंचाया। भारत ने तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

इस जीत के साथ भारत ने ग्रुप-बी में शीर्ष स्थान पक्का कर लिया है और अब सुपर सिक्स चरण के ग्रुप-2 में जगह बना ली है, जहां इंग्लैंड, पाकिस्तान, बांग्लादेश, न्यूजीलैंड और जिम्बाब्वे की टीमें भी शामिल हैं। पांच बार की चैंपियन भारतीय टीम अपना अगला मुकाबला मंगलवार को जिम्बाब्वे से खेलेगी, जबकि 01 फरवरी को भारत-पाकिस्तान के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबला होगा।

आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 : बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को मिली एंट्री

एजेंसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पुरुष टी20 विश्व कप 2026 को लेकर बड़ा फैसला लेते हुए बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल करने की घोषणा की है। यह निर्णय बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार भारत में अपने मैच खेलने से इनकार करने के बाद लिया गया। आईसीसी के अनुसार बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए अपने मैच भारत से श्रीलंका स्थानांतरित करने की मांग की थी। हालांकि, आईसीसी ने स्पष्ट किया कि भारत में बांग्लादेशी टीम, अधिकारियों और प्रशंसकों के लिए किसी भी तरह का कोई विश्वसनीय या सत्यापित सुरक्षा खतरा नहीं पाया गया। स्वतंत्र आंतरिक और बाहरी सुरक्षा आकलनों के आधार पर आईसीसी ने बीसीबी की मांग को खारिज कर दिया। आईसीसी ने बताया कि तीन सप्ताह से अधिक समय तक बीसीबी के साथ कई दौर की बातचीत की गई, जिनमें वीडियो कॉन्फ्रेंस और प्रत्यक्ष बैठकें शामिल रहीं। इस दौरान विस्तृत सुरक्षा और संचालन योजनाएं भी साझा की गईं। इसके बावजूद, बीसीबी ने तय समयसीमा के भीतर टूर्नामेंट में भागीदारी की पुष्टि नहीं की। इसके बाद आईसीसी बिजनेस कॉरपोरेशन (आईबीसी) बोर्ड की बैठक में नियमों के अनुसार प्रतिस्थापन टीम चुनने का फैसला लिया गया। स्कॉटलैंड, जो टूर्नामेंट के लिए मूल रूप से क्वालीफाई नहीं कर पाया था, सबसे ऊंची रैंक वाली टीम होने के कारण चुना गया। स्कॉटलैंड वर्तमान में टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में 14वें स्थान पर है और टूर्नामेंट में शामिल कई टीमों से ऊपर रैंक पर है।

कबड्डी चैंपियंस लीग में डेब्यू को तैयार रोहतक रॉयल्स, डबल-हेडर के दूसरे मुकाबले में करनाल किंग्स से होगी टक्कर

एजेंसी

रोहतक (हरियाणा)। रोहतक शहर का प्रतिनिधित्व करने वाली फ्रेंचाइजी रोहतक रॉयल्स पहली बार कबड्डी चैंपियंस लीग (केसीएल) के मंच पर उतरने जा रही है। लीग के उद्घाटन सत्र में रॉयल्स अपना पहला मुकाबला 25 जनवरी को शाम 8 बजे खेलेगी, जहां उसका सामना करनाल किंग्स से होगा। यह मैच डबल-हेडर का दूसरा मुकाबला होगा और इसे लेकर स्थानीय प्रशंसकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।25 जनवरी से 7 फरवरी तक चलने वाली कबड्डी चैंपियंस लीग में हर दिन प्राइम-टाइम में मुकाबले खेले जाएंगे। ऐसे में रोहतक रॉयल्स की कोशिश अपने पहले ही मैच से टूर्नामेंट में मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने की होगी। टीम की कमान अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित और भारतीय कबड्डी के अनुभवी ऑलराउंडर संदीप नरवाल को सौंपी

गई है। उनके अनुभव और नेतृत्व क्षमता को टीम के लिए बड़ा सहारा माना जा रहा है। कोच सुरेंद्र नाडा ने कहा कि खिलाड़ियों ने तैयारी के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया है और टीम का माहौल सकारात्मक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि टीम रणनीति के अनुरूप खेलते हुए सीजन की अच्छी शुरुआत करेगी। कप्तान संदीप नरवाल ने भी पहले मुकाबले को लेकर उत्साह जताते हुए कहा कि रोहतक और हरियाणा का प्रतिनिधित्व करना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि टीम का फोकस अनुशासन और आपसी तालमेल के साथ खेलने पर है, ताकि युवा खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ सके। रोहतक रॉयल्स का स्क्वॉड संतुलित नजर आ रहा है। रेडिंग, डिफेंस और ऑलराउंड विभाग में टीम के पास कई विकल्प मौजूद हैं। रेडिंग की जिम्मेदारी विजय मलिक समेत युवा और स्थानीय खिलाड़ियों के कंधों पर होगी, जबकि डिफेंस में अनुभवी और उभरते खिलाड़ियों का अच्छा संयोजन देखने को मिलेगा। वहीं, करनाल किंग्स भी इस मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार है। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ-साथ युवा प्रतिभाओं को शामिल किया गया है, जिससे मुकाबला कड़ा होने की उम्मीद है।

ज्वाला देवी गंगापुरी के पूर्व छात्र राज पाण्डेय का भारतीय सॉफ्ट टेनिस टीम में चयन

प्रयागराज। ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज गंगापुरी रसूलाबाद के पूर्व छात्र राज पाण्डेय का चयन पंजाब के लुधियाना शहर में 3 फरवरी से 8 फरवरी तक आयोजित होने वाले द्वितीय एशियन जूनियर सॉफ्ट टेनिस प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली भारतीय सॉफ्ट टेनिस टीम (अण्डर-21) में चयन हुआ है। यह जानकारी ज्वाला देवी के प्रधानाचार्य युगल किशोर मिश्र ने देते हुए बताया कि राज पाण्डेय ने अपने खेल कौशल के द्वारा अहमदाबाद के मणिनगर में आयोजित ट्रायल तथा सीहोर में टॉप फाइव खिलाड़ियों में अपनी जगह सुनिश्चित करते हुए प्रदेश का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि पर एमेच्योर सॉफ्ट टेनिस एसोसिएशन ने उन्हें बधाई दी तथा उम्मीद जताई कि आगामी जूनियर एशियाई

चैम्पियनशिप में भी मेडल जीतकर उत्तर प्रदेश का यह होनहार खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन करेगा। इस उपलब्धि पर विद्या भारती काशी प्रांत के प्रदेश निरीक्षक शेषधर द्विवेदी तथा विद्यालय के प्रबंधक राकेश सिंह सेंगर, अध्यक्ष च्यवन भार्गव, कोषाध्यक्ष राजेश पाण्डेय एवं विद्यालय परिवार ने भैया राज पाण्डेय को बधाई देते हुए प्रतियोगिता में विजयी होने की ईश्वर से कामना की।

प्रशांत मोहन को दोहरा खिताब, कैरम में संदीप, शतरंज में संतोष चैंपियन

एजेंसी

वाराणसी। प्रशांत मोहन और रविकर दुबे की जोड़ी ने चंदन रूपानी और रोहित चतुर्वेदी को 11-8, 11-7 से हराकर 38वीं दीनानाथ गुप्त स्मृति मीडिया बैडमिंटन युगल का खिताब जीता। पहले सेमी फाइनल में चन्दन रूपानी और रोहित चतुर्वेदी की जोड़ी ने चन्द्रप्रकाश और संदीप गुप्ता को 11-9, 11-6 से हराया। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में रविकर दुबे और प्रशांत मोहन ने पंकज त्रिपाठी और विनय शंकर सिंह को 11-8, 11-7 से पराजित किया। आनन्द चंदोला खेल महोत्सव के तहत काशी पत्रकार संघ से संचालित वाराणसी प्रेस क्लब के तत्वावधान में आयोजित मीडिया कैरम प्रतियोगिता के एकल मुकाबले में संदीप गुप्ता ने पंकज त्रिपाठी को 11-3, 11-5 से पराजित कर खिताब जीता। ईश्वरचन्द्र सिनहा बहुउद्देशीय सभागार में खेले गए विश्वनाथ सिंह दद्दू स्मृति टेबल टेनिस एकल मुकाबले में चंदन रूपानी ने चन्द्रप्रकाश को 11-7, 11-5 से हराकर खिताब आपने नाम किया। इससे पहले टेबल टेनिस पहले सेमीफाइनल में चन्द्रप्रकाश ने प्रशांत मोहन को 23-21 व दूसरे सेमीफाइनल में चंदन रूपानी ने संदीप गुप्ता को 21-17 से पराजित किया। शतरंज के मुकाबले में संतोष चौरसिया ने पांचवें चक्र में पांच अंक अर्जित कर शीर्ष स्थान पर रहे।

'धन्यवाद', विश्व कप में खेलने का मौका मिलने पर 'आईसीसी' का क्रिकेट स्कॉटलैंड ने जताया आभार

एजेंसी

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 से बांग्लादेश आधिकारिक रूप से बाहर हो गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बांग्लादेश की जगह टी20 विश्व कप में स्कॉटलैंड को शामिल किया है। विश्व कप में अचानक खेलने का मौका मिलने पर स्कॉटलैंड क्रिकेट में उत्साह का माहौल है। क्रिकेट स्कॉटलैंड ने विश्व कप में खेलने का मौका देने के लिए आईसीसी को धन्यवाद दिया है। क्रिकेट स्कॉटलैंड की सीईओ टुडी लिंडब्लेड ने कहा, 'मुझे आईसीसी का एक पत्र मिला जिसमें पूछा गया था कि क्या हमारी पुरुष टीम टी20 विश्व कप में खेलेगी, और हमने प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया।' क्रिकेट स्कॉटलैंड के अध्यक्ष विल्फ वॉल्श ने कहा कि आज सुबह मुझे आईसीसी अध्यक्ष जय शाह का फोन आया, जिसमें उन्होंने कन्फर्म किया गया कि स्कॉटलैंड को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में खेलने का प्रस्ताव मिलेगा। मुझे अपनी टीम की ओर से इसे स्वीकार करके खुशी हुई, जो जाने के लिए तैयार है। हम इस मौके

के लिए आईसीसी का धन्यवाद देते हैं। हम इस प्रस्ताव के लिए आईसीसी के आभारी हैं। उन्होंने कहा, 'यह स्कॉटलैंड के खिलाड़ियों के लिए लाखों समर्थकों के सामने वैश्विक मंच पर खेलने और मुकाबला करने का एक सुनहरा मौका है। हमें यह मौका मुश्किल और अनोखी परिस्थितियों के कारण मिला है। हमारे खिलाड़ी टूर्नामेंट में श्रेष्ठ प्रदर्शन की कोशिश करेंगे। स्कॉटलैंड की टीम जल्द ही भारत पहुंचने की तैयारी कर रही है ताकि वहां के माहौल में ढल सके और विश्व कप में अपना योगदान दे सके। ' स्कॉटलैंड को विश्व कप में बांग्लादेश की जगह ग्रुप सी में शामिल किया गया है।बांग्लादेश में हिंदूओं के खिलाफ हो रही लगातार हिंसा के बाद भारत में बांग्लादेश के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 से बाहर करने की मांग उठी। रहमान को नीलामी में केकेआर ने 9.2 करोड़ की बड़ी कीमत में खरीदा था। विरोध के बाद बीसीसीआई ने केकेआर को मुस्तफिजुर रहमान को टीम से रिलीज करने का आदेश दिया और केकेआर ने इस निर्देश का पालन किया। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने रहमान को आईपीएल 2026 से बाहर किए जाने के बाद सुरक्षा कारणों से अपने क्रिकेटरों को टी20 विश्व कप के मैचों के लिए भारत भेजने से इनकार कर दिया और अपने मैच श्रीलंका में शिफ्ट करने की मांग की थी। बांग्लादेश ने अपना ग्रुप भी बदलने की मांग की थी। आईसीसी ने बांग्लादेश की मांग नहीं मानी और उन्हें भारत में जाकर विश्व कप खेलने का आदेश दिया और खिलाड़ियों की सुरक्षा का भरोसा दिया। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी का आदेश नहीं माना और अपनी सरकार की सलाह पर अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा का हवाला देते हुए विश्व कप के लिए भारत भेजने से इनकार कर दिया।

शेयर बाजार में हाहाकार! टॉप 10 कंपनियों के डूबे 2.51 लाख करोड़, RIL सबसे बड़ी लूजर

एजेंसी

नई दिल्ली ।देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में जनवरी के महीने में 12 फीसदी से ज्यादा का नुकसान हो चुका है. पिछले कुछ हफ्तों में रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे बड़ी लूजर कंपनी साबित हुई है. उसका कारण भी है. कंपनी की वैल्यूएशन में लगातार गिरावट देखने को मिली है. पिछले हफ्तों के आंकड़ों को देखें तो मार्केट कैप के हिसाब से रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है. ये नुकसान करीब एक लाख करोड़ रुपए है.

वैसे पिछले हफ्ते देश की टॉप 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से 9 कंपनियों के ज्वाइंट मार्केट कैप से 2.51 लाख करोड़ रुपए कम हो गए. जिसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ.

रिलायंस इंडस्ट्रीज के अलावा एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल जैसी टॉप कंपनियों के मार्कप कैप में गिरावट देखने को मिली है.

शेयर बाजार में कमजोरी के चलते यह गिरावट आई. सिर्फ एक कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर कंपनी ऐसी रही जिसके मार्केट कैप में इजाफा देखने को मिला. आंकड़ों को देखें तो एफएमसीजी कंपनी की वैल्यूएशन में 12 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की बढ़ोतरी देखने को मिली. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर किस कंपनी के मार्केट कैप में कितनी गिरावट देखने को मिली है.

गिरते बाजार में पतंजलि का कमाल, सेंसेक्स-निफ्टी को पीछे छोड़ निवेशकों को किया मालामाल

एजेंसी

नई दिल्ली ।भले ही शेयर बाजार में लगातार गिरावट देखने को मिल रही हो, लेकिन बीते हफ्ते लगातार तीन कारोबारी दिन पतंजलि फूड्स के शेयरों में इजाफा देखने को मिली. खास बात तो ये है कि इन तीनों में कंपनी के शेयरों में करीब 2 फीसदी का इजाफा देखने को मिला. जबकि सेंसेक्स और निफ्टी में 0.70 फीसदी की गिरावट देखने को मिली. जहां शेयर बाजार में ओवरऑल निवेशकों को 3 दिनों में नुकसान हुआ. वहीं दूसरी ओर पतंजलि ने अपने निवेशकों को 1 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई करा डाली. जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में पतंजलि के शेयरों में गिरावट का दौर देखने को मिल सकता है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर गिरते शेयर बाजार में पतंजलि फूड्स के शेयरों का प्रदर्शन कैसा देखने को मिला.

पतंजलि के शेयरों में तेजी

पिछले हफ्ते के आखिरी के तीन कारोबारी दिनों में पतंजलि फूड फूड्स के शेयरों में तेजी देखने को मिली. आंकड़ों को देखें तो 20 जनवरी को कंपनी का शेयर गिरावट के साथ 502 रुपए पर बंद हुआ था. उसके बाद 21, 22 और 23 जनवरी को कंपनी के शेयरों में तेजी देखने को मिली और कंपनी का शेयर 1.95 फीसदी की तेजी के साथ 511.80 रुपए पर पहुंचकर बंद हुआ. वैसे शुक्रवार को कंपनी का शेयर 515 रुपए के साथ दिन के हाई पर पहुंच गया था. शेयर बाजार बंद होने तक कंपनी के शेयर मामूली तेजी के साथ बंद हुआ था.

तीन दिनों में कितनी कमाई

लगातार तीन कारोबारी दिनों में तेजी की वजह से कंपनी की वैल्यूएशन में बढ़ोतरी देखने को मिली. आंकड़ों को देखें तो 20 जनवरी को कंपनी का मार्केट कैप 54,608.98 करोड़ रुपए पर आ गया था. जिसमें 23 जनवरी को इजाफा देखने को मिला और शेयर बाजार बंद होने तक कंपनी की वैल्यूएशन 55,675.05 करोड़ रुपए पर आ गई. इसका मतलब है कि तीन दिनों में कंपनी की वैल्यूएशन में 1,066.07 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी देखने को मिली.

सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

खास बात तो ये है कि इन कारोबारी दिनों में सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट देखने को मिली. आंकड़ों को देखें तो 20 जनवरी को सेंसेक्स 82,180.47 अंकों पर दिखाई दिया था. जोकि 23 जनवरी को 81,537.70 अंकों पर गिरकर बंद हुआ. इसका मतलब है कि इस दौरान सेंसेक्स में 0.78 फीसदी की गिरावट देखने को मिली. अगर बात बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के प्रमुख सूचकांक निफ्टी की करें तो 20 जनवरी को आंकड़ा 25,232.50 अंकों पर था, जो 23 जनवरी को 0.73 फीसदी घटकर .

रूस से 'ब्रेकअप', खाड़ी देशों से 'पैचअप'! भारत के नए 'ऑयल गेम' से चौंकी दुनिया

एजेंसी

नई दिल्ली । अमेरिकी राष्ट्रपति के रूसी ऑयल टैरिफ के बाद भारत ने अपने ऑयल गेम को पूरी तरह से बदल दिया है. अगर इस बात को यूं कहें कि भारत का रूसी तेल से ब्रेकअप और खाड़ी देशों के तेल के पैचअप हो गया है, तो गलत नहीं होगा. वास्तव में रूसी तेल की सप्लाई में लगातार कमी देखने को मिल रही है. वहीं खाड़ी देशों के कच्चे तेल की सप्लाई में इजाफा देखने को मिल रहा है. भारत के इस ऑयल गेम से पूरी दुनिया चौंक गई है. वहीं दूसरी ओर भारत ने हाल के दिनों में कुछ नए देशों के साथ ऑयल सप्लाई की डील की है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर आंकड़े किस तरह की कहानी बयां कर रहे हैं?

कैसे बढ़ रही खाड़ी देशों की सप्लाई?

भारत ने कच्चे तेल के आयात की रणनीति में बदलाव करते हुए कम जोखिम वाली सप्लाई पर जोर दिया है. इसमें पश्चिम एशिया की हिस्सेदारी बढ़ रही है, जबकि सीमित मात्रा में रूस से सप्लाई भी बनी हुई है. विश्लेषण फर्म केप्लर के आंकड़ों के अनुसार जनवरी के पहले तीन हफ्तों में रूसी कच्चे तेल का आयात गिरकर लगभग 11 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया, जो पिछले महीने औसतन 12.1 लाख बैरल प्रतिदिन और मिड 2025 में 20 लाख बैरल प्रतिदिन से थोड़ा अधिक था.

भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों को पूरा करने के लिए लगभग 90 प्रतिशत आयात पर निर्भर है. केप्लर के आंकड़ों के अनुसार इराक अब रूस के बराबर मात्रा में सप्लाई कर रहा है, जबकि दिसंबर 2025 में यह औसतन 9,04,000 बैरल प्रतिदिन था. सऊदी अरब से आने वाली मात्रा भी इस महीने बढ़कर 9,24,000 बैरल प्रतिदिन हो गई है, जो दिसंबर में 7,10,000 बैरल प्रतिदिन और अप्रैल 2025 में 5,39,000 बैरल प्रतिदिन थी.

2022 ने रूस ने छोड़ा था इराक को पीछे

रूस 2022 में इराक को पीछे छोड़कर भारत का टॉप सप्लायर बन गया था, जब भारतीय रिफाइनरी ने भारी छूट वाले रूसी तेल को खरीदने के लिए तेजी दिखाई थी. दरअसल यूक्रेन पर मास्को के आक्रमण के बाद यूरोप और अन्य पश्चिमी देशों ने रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया था. केप्लर के शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा कि जनवरी 2026 में भारत की कच्चे तेल की खरीद कम जोखिम वाली और अधिक विश्वसनीय आपूर्ति की ओर एक स्पष्ट बदलाव दिखाती है. इसमें पश्चिम एशिया की हिस्सेदारी बढ़ रही है, जबकि सीमित मात्रा में रूस का प्रवाह भी बना हुआ है.

टैक्स प्रोडक्ट के तौर पर नहीं

डीएसपी म्यूचुअल फ़ंड ने ईएलएसएस को एक अनुशासन टूल के तौर पर पेश किया

मुंबई, एजेंसी। यह सही है कि भारतीय इंवेस्टर्स के पास पहले से कहीं ज़्यादा इक्विटी प्रोडक्ट का ऐक्सेस है, लेकिन बाज़ार साइकल के ज़रिए इंवेस्ट करना एक चुनौती बनी हुई है। डीएसपी म्यूचुअल फ़ंड ने एक ऐसे परिप्रेक्ष्य की ओर संकेत किया है जो इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) को मुख्य रूप से टैक्स-सेविंग उपकरणों के रूप में नहीं, बल्कि ऐसे प्रोडक्ट के रूप में दिखाता है जो लंबे समय तक इंवेस्टिग में व्यवहार संबंधी दूरी को कम करने में सहायता कर सकते हैं।

इंवेस्टर्स के बढ़ते सेगमेंट के लिए सेक्शन 80ष्ट के तहत टैक्स संबंधी विचार का कोई अर्थ नहीं होने के कारण ईएलएसएस ने हालिया बरसों में माइंडशेयर में कमी देखी है। हालाँकि, डीएसपी म्यूचुअल फ़ंड का मानना है कि टैक्सेशन के अतिरिक्त कारणों के बावजूद ईएलएसएस की संरचनात्मक विशेषताएँ, विशेष रूप से अनिवार्य तीन साल का लॉक-इन, प्रासंगिकता बनाए रखते हैं। डीएसपी म्यूचुअल फ़ंड के हेड कंज़्यूमर ग्रोथ मार्केटिंग, मनीष राठी ने कहा, इंवेस्टर्स के परिणाम अक्सर प्रोडक्ट सिलेक्शन से कम और व्यवहार से ज़्यादा प्रभावित होते हैं। अस्थिरता की अवधि में, इंवेस्टर्स जल्दी बाहर निकलते हैं, गति का पीछा करते हैं या बाज़ार की शॉर्ट-टर्म उठा-पटक का जवाब देते हैं। ईएलएसएस की लॉक-इन सुविधा इंवेस्टर्स को साइकल के ज़रिए इंवेस्ट करने के लिए प्रोत्साहित करके इन रुझानों को कम करने में मदद कर सकती है। डीएसपी के इंटरनल डेटा से यह संकेत मिलता है कि डिजिटल, डू-इट-योरसेल्फ़ इक्विटी इंवेस्टर्स के लिए औसत होल्डिंग अवधि लगभग 2.5 वर्ष है, जो आम तौर पर लॉन्ग-टर्म धन के सृजन के लिए ज़रूरत से कम है। इस संदर्भ में, ईएलएसएस अपने वैधानिक तीन साल के लॉक-इन और विविध इक्विटी एक्सपोज़र के साथ निर्माण और ऐतिहासिक परिणामों के संदर्भ में एक फ़्लेक्सिकैप-स्टाइल इक्विटी प्रोडक्ट की तरह काम करता है, जबकि लागू किया गया इंवेस्टमेंट अनुशासन का एक तत्व जोड़ता है। राठी ने कहा, यह ईएलएसएस को आज के इंवेस्टर के वातावरण के लिए प्रासंगिक बनाता है। जब स्वाभाविक झुकाव शॉर्ट-टर्म बाज़ार मूवमेंट पर प्रतिक्रिया करना है, तो एक प्रोडक्ट संरचना जो इंवेस्टर्स को लंबे समय तक इंवेस्ट करते रहने के लिए प्रेरित करती है।

न्युवोको विस्टास ने भारत मे प्रीमियम डेकोरेटिव कॉंक्रीट रेंज आर्टिस्ट एलीट कलेक्शन लॉन्च की

मुंबई, एजेंसी। न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड, भारत की भरोसेमंद बिल्डिंग मटीरियल कंपनी, ने अपने आर्टिस्ट डेकोरेटिव कॉंक्रीट

पोर्टफोलियो के तहत एक नई प्रीमियम रेंज, न्युवोको आर्टिस्ट एलीट कलेक्शन लॉन्च करने की घोषणा की है। आधुनिक निर्माण और लैंडस्केपिंग प्रोजेक्ट्स के लिए विकसित, एलीट कलेक्शन कलात्मक समझ को तकनीकी सटीकता के साथ जोड़ता है।

यह रेंज चार आधुनिक, इस्तेमाल के लिए तैयार डेकोरेटिव कॉंक्रीट फिनिश पेश करती है जो विश्वसनीय प्रदर्शन देते हुए खूबसूरती को बढ़ाती हैं। इसमें रिफाइंड टेक्सचर, आधुनिक पैटर्न और नेचुरल कलर रंग पैलेट्स हैं, जो वॉकवेज, ड्राइववे, लैंडस्केप एरिया, पोडियम और प्रीमियम आउटडोर और सेमी-आउटडोर जगहों के लिए बहुत उपयुक्त है। हर डिजाइन उच्च-गुणवत्ता वाली फिनिश और सरफेस डिटेलिंग के साथ तैयार किया गया है जो गहराई, बनावट और मटीरियल के कैरेक्टर को उजागर करता है, जिससे प्रोजेक्ट्स में एकरूपता सुनिश्चित होती है और डिजाइनरों और स्पेसिफायर्स को क्रिएटिव लचकता मिलती है। चिराग शाह, हेड, मार्केटिंग, इनोवेशन और सेल्स एक्सीलेंस, न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड ने कहा कि न्युवोको आर्टिस्ट एलीट कलेक्शन सोच-समझकर, डिजाइन-आधारित सॉल्यूशंस पर हमारे फोकस को दर्शाता है। यह रेंज खूबसूरती, सस्टेनेबिलिटी और इस्तेमाल में आसानी को जोड़ती है, जिससे ग्राहक आत्मविश्वास के साथ खास जगहें बना सकते हैं। एलीट कलेक्शन आर्टिस्ट की एक प्रीमियम डेकोरेटिव कॉंक्रीट ब्रांड के रूप में स्थिति को मजबूत करता है।

वाहनों और डीजल जनरेटरों में ईंधन की बचत और प्रदूषण कम करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम

नई दिल्ली, एजेंसी। एएचओडीएस टेक्नोलॉजीज का स्वदेशी हाइड्रोजन डुअल फ्यूल किट (एचडीएफके), जिसे कंपनी ने पेटेंट भी कराया है, वाहनों और डीजल जनरेटरों में उत्सर्जन और जीवाश्म ईंधनकी खपत कम करने के लिए एक बेहद प्रभावी समाधान बनकर उभरा है। इस नवाचार को हाल ही में तब बड़ी सफलता मिली जब इसे विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश में आयोजित एक समारोह में बेस्ट इमर्जिंग हाइड्रोजन मोबिलिटी वेंचर के लिए प्रतिष्ठित एनर्शिया अवॉर्ड 2026' से सम्मानित किया गया। आईआईटी दिल्ली में विकसित, एएचओडीएस हाइड्रोजन डुअल फ्यूल किट अपने आप में एक अनोखा आविष्कार है जो टेलपाइप उत्सर्जन (धुए) में 70 प्रतिशत तक की कमी और ईंधन में लगभग 20 प्रतिशत तक की बचत करता है। यह तकनीक ऑटोमोटिव, बिजली उत्पादन, भट्टियों, बॉयलर, कृषि मशीनरी और औद्योगिक अनुप्रयोगों सहित कई क्षेत्रों के लिए उपयोगी है, जो इसे स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ने का एक व्यावहारिक और कारगर उपाय बनाती है। इस किट को विभिन्न उद्योगों जैसे कि पेय पदार्थ, विनिर्माण, वस्त्र और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में डीजल पावर जनरेटरों में सफलतापूर्वक लगाया जा चुका है। विशेष रूप से, यह किट पुराने हो चुके वाहनोंके लिए एक विशेष और असरदार समाधान प्रदान करती है, जिससे वाहन बदले बिना ही प्रदूषण में भारी कमी लाई जा सकती है।

औद्योगिक बॉयलरों में इस तकनीक का एकीकरण भी अब अंतिम चरण में है। एएचओडीएस टेक्नोलॉजीज ने एचडीएफके को बड़े पैमाने पर लागू करने के लिए नीतिगत सहयोग और समर्थन मांगने हेतु सीएक्यूएम, सीपीसीबी और जीएनसीटीडी के समक्ष औपचारिक प्रस्तुतियां दी हैं और प्रस्ताव जमा किए हैं। एएचओडीएस डुअल फ्यूल किट, जिसे एडीएफके के नाम से भी जाना जाता है, ने नेत्रा टेक्नोलॉजी रेडिनेस लेवल (टीआरएल) 7 प्रमाणन प्राप्त कर लिया है और एमआईडीसी साइकिल के तहत इसका सफल व्हीकल चेसिस डायनेमोमीटर परीक्षण भी किया गया है। यह प्रणाली मॉड्यूलर है, अपने आप में पूर्ण है और इसे किसी बाहरी गैस सप्लाई इंफ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता नहीं होती। यही खूबी इसे पहाड़ी और रेगिस्तानी इलाकों जैसे दूर-दराज के क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से उपयुक्त बनाती है। एएचओडीएस समाधान की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके लिए इंजन में किसी भी तरह के बदलावकी जरूरत नहीं पड़ती। इसमें पीने के पानी के इलेक्ट्रोलिसिस के जरिए मांग के अनुसार हाइड्रोजन तैयार की जाती है।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने उद्योग में बनाई बढ़त

नई दिल्ली, 21 जनवरी 2026 – गर्मियों के पीक सीजन से पहले, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड , सबसे भरोसेमंद ब्रांड (इलेक्ट्रॉनिक्स श्रेणी में) ने घोषणा की है कि वह 2026 के नए ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (बीईई) स्टार रेटिंग मानकों के पूरी तरह अनुरूप एयर कंडीशनरों की व्यापक रेंज पेश करने वाली शुरुआती कंपनियों में शामिल है।

एलजीईआईएल की यह अग्रिम पहल सुनिश्चित करती है कि भारतीय उपभोक्ताओं को आज ही सबसे उन्नत और ऊर्जा-कुशल कूलिंग तकनीक उपलब्ध हो सके। नए बीईई मानक ऊर्जा दक्षता के स्तर में एक बड़ा बदलाव दर्शाते हैं, जिससे पूरे उद्योग के लिए मानक और ऊंचे हो गए हैं और भारत को वैश्विक ऊर्जा प्रदर्शन मानकों के अनुरूप लाया गया है। एलजीईआईएल ने अपने पोर्टफोलियो को पहले ही अपग्रेड कर लिया है, जो उसकी स्थिरता और जिम्मेदार उत्पाद विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। संजय चितकारा, को-चीफ सेल्स एंड मार्केटिंग ऑफिसर, टिप्पणी करते हुए कहा, जैसे-जैसे भारत सख्त ऊर्जा दक्षता मानकों की ओर बढ़ रहा है, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड इस बदलाव को शुरुआती अनुपालन और भविष्य के लिए तैयार उत्पाद नवाचार के माध्यम से समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है। नए बीईई मानकों के अनुरूप पहले से तैयार हमारे पोर्टफोलियो के साथ, एलजीईआईएल नए सीजन में पूरी तरह तैयार है कि वह अपने उपभोक्ताओं को भरोसेमंद, ऊर्जा-कुशल एयर कंडीशनिंग समाधान प्रदान करे।

सुपरफास्ट होगी देश की तरक्की! रेलवे बनेगा 'दुनिया का पावरहाउस', बजट में मेगा प्लान तैयार

एजेंसी

नई दिल्ली ।केंद्रीय बजट 2026 के नजदीक आने के साथ ही एक जाना-पहचाना सवाल फिर से उठ खड़ा हुआ है- क्या सरकार को भारतीय रेलवे के प्राइवेटाइजेशन पर और जोर देना चाहिए? वास्तविकता को समझना आसान नहीं है, और यह तभी सामने आती है जब कुछ धारणाएं टूटने लगती हैं. भारतीय रेलवे को ÷भारत की लाइफलाइन÷ कहा जाता है. यह न केवल इकोनॉमी का मजबूत पिलर है, बल्कि देश के सामाजिक और आर्थिक ताने-बाने में गहराई से समाया हुआ है. हालांकि, मुख्य वास्तविकता यह है कि रेलवे हाईवे या एयरपोर्ट से अलग है. अगर देश के डेवलपमेंट को सुपरफास्ट बनाना है तो रेलवे को एक ऐसा पॉवरहाउस बनाना जरूरी है जिससे देश की तरक्की में कोई रुकावट ना आए. इस बार बजट में देश के रेलवे को लेकर को कई अहम फैसले होना काफी जरूरी हो गया है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर इस पर जानकारों का क्या कहना है.

भारत की ग्रोथ स्टोरी में ट्रांसपोर्ट का महत्व

भारत की शहरी और आर्थिक महत्वाकांक्षाएं ट्रांसपोर्ट कैपेसिटी से अविभाज्य रूप से जुड़ी हुई हैं. सिस्ट्रा इंडिया के एमडी हरि कुमार सोमलराजू ने ईटी की रिपोर्ट में कहा कि शहरीकरण और जीडीपी ग्रोथ के बीच संबंध स्पष्ट है. अधिकांश विकसित अर्थव्यवस्थाओं में प्रति दस लाख शहरी आबादी पर 5 किमी से अधिक मेट्रो रेल नेटवर्क है. भारत में 1,000 किमी से अधिक का विश्व का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क होने

के बावजूद, यह आंकड़ा प्रति दस लाख पर लगभग 1.9 किमी है, जो इस लिमिट से काफी कम है.

सोमलराजू ने मीडिया रिपोर्ट में कहा कि वैसे, भारत विश्व का सबसे अधिक आबादी वाला देश है. 2047 तक 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था से एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए भारत को केवल विकास से संतुष्ट नहीं होना चाहिए; उसे तीव्र गति से विकास करना होगा. और ट्रांसपोर्टेशन हर प्रमुख अर्थव्यवस्था में गति बढ़ाने वाला कारक है. उन्होंने कहा कि दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों में भीड़भाड़ अब केवल जीवन की गुणवत्ता का मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि यह चुपचाप उत्पादकता और आर्थिक उत्पादन को भी कम कर रहा है. उन्होंने आगे कहा कि विश्व बैंक के अनुमानों के अनुसार, मेट्रो सिस्टम्स में निवेश किए गए प्रत्येक 1 बिलियन डॉलर से 50,000 से 100,000 नौकरियां पैदा हो सकती हैं, यही कारण है कि उभरती अर्थव्यवस्थाएं दिखावे के बजाय नेटवर्क विस्तार को प्राथमिकता देती हैं.

सोमलराजू ने कहा मीडिया रिपोर्ट में कहा कि लेकिन केवल मेट्रो ही पर्याप्त नहीं है. निवेश के साथ-साथ लास्ट मील कनेक्टिविटी, मल्टी डायमेंशन इंटीग्रेशन और सरल, मानकीकृत मेट्रो प्रणालियों का विकास भी आवश्यक है. शंघाई, लंदन या न्यूयॉर्क नहीं, एक मानक है ङ्क जिसने केवल दो दशकों में लगभग 800 किमी मेट्रो का निर्माण किया है.

रेलवे एयरपोर्ट या सड़कें नहीं हैं

जब निजीकरण की बहस भारतीय रेलवे की ओर मुड़ती है, तो राजमार्गों और हवाईअड्डों से तुलना करना थोड़ा भ्रामक हो सकता है. सड़कें और हवाईअड्डे इंडीपेंडेंट असेट्स के रूप में कार्य करते हैं, जिनमें यूजर चार्ज और आसानी से मापे जाने वाले सर्विस स्टैंडर्ड होते हैं. हालांकि, रेलवे नेशनल नेटवर्क के रूप में संचालित होता है, जहां हर हिस्सा दूसरे पर निर्भर करता है.

रणबीर कपूर बने पीएनजी ज्वेलर्स के नए ब्रांड एंबेसडर, विरासत और आधुनिकता के नए अध्याय की शुरुआत

मुंबई, एजेंसी।
वर्ष 1832 से चली रही विरासत और भारत के सबसे प्रतिष्ठित आभूषण ब्रांड्स में से एक, पीएनजी ज्वेलर्स ने बॉलीवुड सुपरस्टार रणबीर कपूर को अपना नया ब्रांड एंबेसडर नियुक्त करने की घोषणा की है. परंपरा, विश्वासार्हता और आधुनिक आकर्षण के साथ रणबीर कपूर पीएनजी ज्वेलर्स की सफर में एक रोमांचक नया अध्याय जोड़ते हैं, क्योंकि ब्रांड अपनी राष्ट्रीयमौजूदगी को और मजबूत कर रहा है. महाराष्ट्र में स्थापित और अब पूरे भारत व विदेशों में आत्मविश्वास के साथ विस्तार कर रहा पीएनजी ज्वेलर्स, डॉ. सौरभ गाडगीळ के नेतृत्व में एक स्पष्ट और दूरदर्शी सोच के साथ आगे बढ़ रहा है. रणबीर कपूर के साथ यह साझेदारी ब्रांड के विकास को दर्शाती है, साथ ही अपने मूल्यों विश्वास, कारीगरी और विरासत से इसकी गहरी जुड़ाव को भी बनाए रखती है. बॉलीवुड के प्रतिष्ठित कपूर परिवार की सबसे युवा

पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करने वाले रणबीर की फिल्मी विरासत और उनकी हिंदी फ़िल्म प्रेमियों के बीच उनके बड़े फैन की संख्या इस सहयोग को पीएनजी ज्वेलर्स के अगले विकास पड़ाव के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बनाती है, जो भारत के सभी आयु वर्गों को जोड़ने में मदद करेगी. जनवरी 2026 से शुरू होने वाला यह सहयोग, रणबीर कपूर को मौजूदा ब्रांड फेस के साथ पीएनजी ज्वेलर्स का एंबेसडर बनाएगा। उनकी भूमिका राष्ट्रीयस्तर पर ब्रांड की पहचान को मज़बूत करने,भरोसा बढ़ाने और एंडोर्समेंट, एडवोकेसी और ब्रांड से जुड़ी पहलों के ज़रिए पीएनजी ज्वेलर्स की विरासत को और व्यापक बनाने पर केंद्रित होगी. हालांकि इस सहयोग के तहत किसी विशेष कलेक्शन का लॉन्च नहीं किया जा रहा है, लेकिन यह साझेदारी ब्रांड की दीर्घकालिक विकास रणनीति और राष्ट्रीय रिटेल विस्तार में एक महत्वपूर्ण संकेत है. इस सहयोग पर बोलते हुए अभिनेता रणबीर कपूर ने कहा, पीएनजी ज्वेलर्स एक ऐसी विरासत का प्रतीक है जो पीढ़ियों से चली आ रही है,जो विश्वास व मूल्यों पर आधारित है, जो सच में मुझसे मेल खाते हैं . अपनाने वाले इस ब्रांड का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद स्वाभाविक है, और इस सफर में उनके साथ जुड़कर मुझे गर्व महसूस हो रहा है. इस साझेदारी को लेकर अपनी खुशी और इसके ब्रांड पर दूरगामी प्रभाव को साझा करते हुए पीएनजी ज्वेलर्स के अध्यक्ष और व्यवस्थापकीय संचालक डॉ. सौरभ गाडगीळ ने कहा, रणबीर कपूर विरासत और आधुनिक आकांक्षाओं का एक आदर्श संतुलन प्रस्तुत करते हैं.

क्यूपिड लिमिटेड का बाज़ार स्टाइल रिटेल में 331.53 करोड़ का रणनीतिक निवेश

मुंबई, एजेंसी।
क्यूपिड लिमिटेड (बीएसई - 530843, एनएसई - क्यूपिड) ने बाज़ार स्टाइल रिटेल लिमिटेड (स्टाइल बाज़ार) में 331.53 करोड़ के रणनीतिक निवेश की घोषणा की है। स्टाइल बाज़ार देशभर के प्रमुख बाज़ारों में 250+ स्टोर्स का संचालन करने वाली एक स्थापित और लाभदायक वैल्यू रिटेल चेन है, जो कुशल और सुदृढ़ परिचालन के लिए जानी जाती है।आंतरिक संसाधनों से वित्तपोषित यह निवेश 18 महीनों की अवधि में किया जाएगा और यह क्यूपिड की रिटेल उपस्थिति को मजबूत करने, बाज़ार तक पहुंच और पैठ बढ़ाने तथा उच्च संभावनाओं वाले क्षेत्रों में विकास को गति देने की रणनीति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह रणनीतिक निवेश क्यूपिड लिमिटेड को एक मजबूत और तेज़ी से विस्तार कर रहे रिटेल नेटवर्क तक सीधी पहुंच प्रदान करता है, जिससे प्रमुख क्षेत्रीय बाज़ारों में उसके एफएमसीजी उत्पाद पोर्टफोलियो की उपलब्धता और दृश्यता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। स्टाइल बाज़ार का व्यापक स्टोर नेटवर्क क्यूपिड को मौजूदा बाज़ारों में अपनी पकड़ और मजबूत करने के साथ-साथ नए क्षेत्रों में अधिक तेज़ी और दक्षता के साथ प्रवेश करने में सक्षम बनाएगा। स्टाइल बाज़ार के 250+ स्टोर्स में क्यूपिड के उत्पादों की तत्काल उपलब्धता के साथ यह साझेदारी पहले ही दिन से लास्ट-माइल पहुंच और शेल्फ प्रेज़ेंस को मज़बूत करेगी। आने वाले दो से तीन वर्षों में स्टाइल बाज़ार के 500+ स्टोर्स तक विस्तार की योजना के साथ, क्यूपिड के एफएमसीजी उत्पाद भी इस नेटवर्क के समानांतर बढ़ने की उम्मीद है, जिससे उपभोक्ता संपर्क बिंदुओं में वृद्धि और ब्रांड दृश्यता में उल्लेखनीय सुधार होगा। यह निवेश क्यूपिड के विस्तारित उत्पाद पोर्टफोलियो के तेज़ रोल-आउट को भी समर्थन देगा। स्टाइल बाज़ार की मज़बूत स्टोर-स्तरीय निष्पादन क्षमता और उपभोक्ता अंतर्दृष्टि का लाभ उठाते हुए, प्राथमिक बाज़ारों में इन-स्टोर विज़िबिलिटी, मर्चेंडाइजिंग प्रभावशीलता और ग्राहक सहभागिता को और बेहतर बनाया जाएगा। भीतर बढ़कर 500 करोड़ के वार्षिक कारोबार तक पहुंचने का स्पष्ट रोडमैप दर्शाती है।

युगांडा में विपक्षी नेता बोबी वाइन का आरोपः सैनिकों की कार्रवाई में पत्नी अस्पताल में भर्ती

एजेंसी

नैरोबी। युगांडा के प्रमुख विपक्षी नेता और पॉप सिंगर से राजनेता बने बोबी वाइन ने आरोप लगाया है कि उनके आवास पर सैनिकों द्वारा छापेमारी के दौरान उनकी पत्नी बारबरा क्यागुलानी के साथ हिंसा की गई, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। बोबी वाइन के अनुसार, शुक्रवार देर रात सैनिकों ने कंपाला के उत्तरी इलाके मागेरे स्थित उनके घर में जबरन घुसपैठ की। उस समय बोबी वाइन घर पर मौजूद नहीं थे और वह पिछले सप्ताह अपने घर पर हुई एक अन्य छापेमारी के बाद से छिपे हुए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बताया कि सैनिकों ने दरवाजे तोड़े, कर्मचारियों के साथ मारपीट की और उनकी पत्नी को बंदूक की नोक पर बैठाकर उनसे उनका ठिकाना बताने को कहा। वाइन ने आरोप लगाया कि जब उनकी पत्नी ने अपना मोबाइल फोन और पासवर्ड देने से इनकार किया, तो सैनिकों ने उनका गला दबाया, अपमानित किया और जबरन उनके कपड़े हटाकर तस्वीरें लीं। इसके बाद उनकी पत्नी की तबीयत बिगड़ गई और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। इस घटनाक्रम पर युगांडा की सेना की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। गौरतलब है कि हाल ही में हुए राष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी को विजेता घोषित किया गया है, जबकि बोबी वाइन ने चुनाव परिणामों को खारिज करते हुए बड़े पैमाने पर धांधली का आरोप लगाया है।

नेपाल के हिमाली और उच्च पहाड़ी क्षेत्र में हुए भारी बर्फबारी से चुनाव प्रचार बाधित, जनजीवन पर असर

काठमांडू। नेपाल के हिमाली और उच्च पहाड़ी क्षेत्र में बीती रात से लगातार हो रही भारी बर्फबारी से चुनाव अभियान की शुरुआत करने वाले उम्मीदवारों के प्रचार को बाधित कर दिया है। भारी बर्फबारी के कारण सुदूर पश्चिम प्रदेश के पहाड़ी जिलों में कई प्रमुख राजमार्ग अवरुद्ध हो गए हैं। बैतडी जिले के नारखोली, खोडपे, श्रीभावर, सतबाँझ और देहिमाण्डौ क्षेत्रों में हिमपात होने से दशरथचन्द राजमार्ग और जयपृथ्वी राजमार्ग बीती रात से ही बंद हो गए हैं। रात से ही मार्ग अवरुद्ध रहने के कारण वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई है। यह जानकारी बैतडी के पुलिस प्रवक्ता, पुलिस निरीक्षक सूरज सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि हिमपात के चलते न केवल राजमार्ग अवरुद्ध हुए हैं बल्कि विद्युत आपूर्ति सेवा भी बाधित हो गई है। उन्होंने कहा, 'रात की भारी बर्फबारी से राजमार्ग और बिजली सेवा ठप हो गई है। इन्हें पुनः सुचारू करने के लिए पहल शुरू कर दी गई है।' इसी तरह, डडेल्धुरा जिले के साहुखर्क, हयुल्टेल सहित अन्य क्षेत्रों में भी हिमपात के कारण भीमदत्त राजमार्ग ठप हो गया है। शुक्रवार शाम से ही बैतडी के साथ-साथ दार्चुला, बझाङ, डोटी और डडेल्धुरा के ऊँचे पर्वतीय इलाकों में बारिश के साथ भारी हिमपात हो रहा है, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ है।रुकुम पूर्व जिले में शुक्रवार से जारी भारी हिमपात के कारण मध्यपहाड़ी लोकमार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है। लोकमार्ग के लुकुम-पातिहाल्ना खंड में घनी बर्फ जम जाने से यातायात के सभी साधन ठप हो गए हैं।

नेपाली कांग्रेस ने अपने नवनिर्वाचित पार्टी अध्यक्ष गगन थापा को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया

काठमांडू। नेपाली कांग्रेस के नवनिर्वाचित अध्यक्ष गगन थापा को पार्टी की तरफ से आगामी आम चुनाव के लिए प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार भी घोषित किया गया है। पार्टी मुख्यालय में गगन थापा के पदभार संभालने के बाद पार्टी ने औपचारिक रूप से इसकी घोषणा की। काठमांडू में आयोजित विशेष महाधिवेशन के माध्यम से थापा पार्टी अध्यक्ष चुने गए थे। पदभार संभालते ही उन्होंने अपना पहला औपचारिक संकल्प पत्र भी हस्ताक्षर किया, जिसमें आंतरिक सुधार और राष्ट्रीय रूपांतरण का वादा दोहराया गया। नव-निर्वाचित पदाधिकारियों और केंद्रीय सदस्यों के पदभार ग्रहण के बाद कांग्रेस की केंद्रीय कार्यसमिति की पहली बैठक में 5 मार्च को होने वाले आम चुनाव के लिए उन्हें प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार नामित करने के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया गया। यह प्रस्ताव उपाध्यक्ष विश्वप्रकाश शर्मा ने रखा था, जिसका समर्थन उपाध्यक्ष पुष्पा भुसाल ने किया। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए शर्मा ने कहा, 'हमने संस्थागत रूप से गगन थापा को अगले प्रधानमंत्री के रूप में प्रस्तुत करने का निर्णय लिया है।'

पश्चिमी गोलार्द्ध में अमेरिकी मातृभूमि की रक्षा होगी पेंटागन की नीति

वाशिंगटन। अमेरिका के रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन ने अपनी 2026 की राष्ट्रीय रक्षा नीति (एनडीएस) का सार्वजनिक संस्करण जारी कर पश्चिमी गोलार्द्ध में अमेरिकी ज़मीन और अमेरिकी हितों की रक्षा को अन्य सैन्य प्राथमिकताओं से ऊपर रखा है। इस रणनीति में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के बाकी तीन सालों के लिये अमेरिका के रक्षा विभाग की दूसरी प्राथमिकताओं के बारे में भी बताया गया है। इसमें सहयोगियों और साझेदारों के साथ 'बोझ बांटना' और अमेरिका के रक्षा औद्योगिक आधार को 'ताकतवर बनाना' शामिल है। रणनीति में लिखा है, 'जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है, अमेरिकी सेना की सबसे पहली प्राथमिकता अमेरिकी मातृभूमि की रक्षा करना है। इसलिए विभाग इसी पर प्राथमिकता देगा, जिसमें पूरे पश्चिमी गोलार्ध में अमेरिका के हितों की रक्षा करना शामिल है। '

बांग्लादेश में एक और हिंदू कट्टरपंथियों की भेंट चढ़ा, बदमाशों ने युवक को जिंदा जलाया

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू के साथ बर्बरता की एक और घटना सामने आई है, जिसे जानकर दिल दहल उठेगा। बांग्लादेश के कट्टरपंथी उपद्रवियों ने हैवानियत की सारी हदें पार कर दी। ढाका से करीब 50 किलोमीटर दूर नरसिंगदी में एक गैरेज में सोते समय चंचल चंद्र भौमिक नाम के 23 साल के हिंदू को जिंदा जला दिया गया। चुनाव से पहले राजनीतिक हत्या और अल्पसंख्यकों के साथ हिंसा के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। ताजा घटना के बाद देश के अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा को लेकर फिर से डर पैदा हो गया है। पीड़ित का नाम भौमिक है, जो खोकन चंद्र भौमिक का बेटा था। वह कुमिला जिले के लक्ष्मीपुर गांव का रहने वाला था। भौमिक नरसिंगदी पुलिस लाइन के पास खानाबारी मस्जिद मार्केट इलाके में एक गैरेज में काम करता था। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह शुक्रवार रात अपना काम खत्म करके गराज में ही सो गया था, तभी अनजान हमलावरों ने गैराज में आग लगा दी। चूंकि गैरेज में बड़ी मात्रा में पेट्रोल, इंजन ऑयल और दूसरी ज्वलनशील चीजें रखी थीं, इसलिए आग तेजी से फैल गई और भौमिक वहीं फंस गया। वह बुरी तरह जलने और दम घुटने से मर गया। चश्मदीदों ने इस घटना को सुनियोजित हत्या बताया है।

अधिकारियों ने पास के कैमरों से सीसीटीवी फुटेज जब्त कर ली है, जिसमें हमलावरों को एक्शन लेते हुए देखा जा सकता है, लेकिन अभी तक दोषियों की पहचान नहीं हो पाई है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, 'पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए पूरी जांच कर रही है। हमने शव बरामद कर सीसीटीवी फुटेज जब्त कर ली है। पुलिस की कई टीमें दोषियों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए काम कर रही हैं।' 2022 की जनगणना के अनुसार, बांग्लादेश में हिंदुओं की आबादी लगभग 13.13 मिलियन है, जो देश की कुल आबादी का लगभग 8 प्रतिशत है। बांग्लादेश में जब से कट्टरपंथी यूनुस की अंतरिम सरकार आई है, देश में अल्पसंख्यक हिंदू आबादी डर के साये में रह रही है। हालात को देखते हुए भारत ने भी अपने पड़ोसी देश में अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। भौमिक पर हमला हिंदुओं को निशाना बनाने वाली कई दूसरी घटनाओं के तुरंत बाद हुआ है। पिछले हफ्ते, गाजीपुर जिले में एक हिंदू मिठाई की दुकान के मालिक को एक कर्मचारी को हमले से बचाने के दौरान पीट-पीटकर मार डाला गया था। इसी दौरान, सिलहट जिले में एक हिंदू घर में आग लगा दी गई और फेनी जिले में एक हिंदू ऑटो रिक्शा ड्राइवर की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। ये घटनाएं बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों के बढ़ते डर को दिखाती हैं, खासकर आने वाले चुनावों से पहले, क्योंकि सरकार को चरमपंथी हिंसा से कमजोर आबादी की रक्षा करने की अपनी क्षमता पर जांच का सामना करना पड़ रहा है।

बांग्लादेश में किसी गैर-मुस्लिम सांसद का होना संभव नहीं -जमात प्रत्याशी के बयान से विवाद

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के बरगुना-2 संसदीय क्षेत्र से जमात-ए-इस्लामी समर्थित एक उम्मीदवार के चुनावी भाषण का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद देशभर में तीखी बहस छिड़ गई है। वायरल वीडियो में उन्हें यह कहते सुना जा रहा है कि '80 प्रतिशत मुस्लिम आबादी वाले बांग्लादेश में किसी गैर-धार्मिक या गैर-मुस्लिम सांसद का होना संभव नहीं है। 'यह बयान गुरुवार (22 जनवरी) की रात बांग्लादेश के 13वें राष्ट्रीय संसदीय चुनाव के प्रचार के पहले दिन दिया गया। बरगुना जिले के बामना उपजिला स्थित डौयातला स्कूल मैदान में आयोजित जमात-ए-इस्लामी की एक चुनावी जनसभा में अफजल हुसैन नामक व्यक्ति ने यह टिप्पणी की। आयोजकों के अनुसार, जनसभा के दौरान ही अफजल हुसैन ने औपचारिक रूप से जमात-ए-इस्लामी में शामिल होने की घोषणा की।अपने भाषण में अफजल हुसैन ने कहा, 'संसद में ऊंची आवाज़ में कहा जाएगा कि यह देश मुसलमानों का है। जहां 80 प्रतिशत लोग मुसलमान हैं, वहां किसी गैर-धर्मी या आपत्तिजनक व्यक्ति का संसद सदस्य होना संभव नहीं है, न ही वहां संविधान रह सकता है।' उन्होंने आगे कहा कि देश में शासन व्यवस्था 'अल्लाह के क़ुरआन के अनुसार' चलाई जाएगी।इस बयान के सामने आने के बाद राजनीतिक महलों के साथ-साथ सामाजिक और ऑनलाइन मंचों पर भी तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। विपक्षी दलों और विभिन्न नागरिक संगठनों ने इसे संविधान, लोकतंत्र और अल्पसंख्यक अधिकारों के खिलाफ बताया है।

इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने की नाटो सहयोगियों पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बयान की निंदा

एजेंसी

रोम। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान पर कड़ी सार्वजनिक प्रतिक्रिया दी है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अफगानिस्तान में सैन्य अभियानों के दौरान नाटो के सहयोगी देशों ने अमेरिका का पूरा समर्थन नहीं किया। जॉर्जिया मेलोनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'इटली सरकार राष्ट्रपति ट्रंप के बयानों से हैरान है, जिनमें कहा गया है कि नाटो सहयोगी अफगानिस्तान में अभियानों के दौरान पीछे रह गए थे।' मेलोनी ने कहा कि ऐसे दावे 11 सितंबर 2001 के आतंकवादी हमलों के बाद गठबंधन की ओर से दिखाई गई अभूतपूर्व एकजुटता को नजरअंदाज करते हैं। मेलोनी ने कहा, '11 सितंबर 2001 के आतंकवादी हमलों के बाद नाटो ने अपने इतिहास में पहली और एकमात्र बार अनुच्छेद 5 को सक्रिय किया। यह अमेरिका के प्रति एकजुटता का एक असाधारण कार्य था। ' उन्होंने इटली की तत्काल और निरंतर सैन्य प्रतिबद्धता की बात करते हुए कहा कि रोम ने हजारों सैनिक तैनात किए और नाटो के नेतृत्व वाले मिशन के सबसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक रीजनल कमांड वेस्ट का नेतृत्व संभाला। मेलोनी ने यह भी कहा कि लगभग

बीस वर्षों की प्रतिबद्धता के दौरान हमारे राष्ट्र ने एक ऐसी कीमत चुकाई है जिस पर विवाद नहीं किया जा सकता। उन्होंने अफगान बलों के लिए युद्ध अभियानों, सुरक्षा मिशनों और प्रशिक्षण प्रयासों के दौरान मारे गए 53 इतालवी सैनिकों और 700 से अधिक घायल सैनिकों का हवाला दिया। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने कहा कि अफगानिस्तान में नाटो देशों के योगदान को कम आंकने वाले बयान अस्वीकार्य हैं, खासकर अगर वे किसी सहयोगी राष्ट्र से आते हैं। रोम और वाशिंगटन के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों की बात करते हुए मेलोनी ने कहा, 'दोस्ती के लिए सम्मान की जरूरत होती है, जो अटलांटिक गठबंधन के मूल में एकजुटता सुनिश्चित करने के लिए एक मौलिक शर्त है। ' 22 जनवरी को दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में शामिल हुए डोनाल्ड ट्रंप ने एक इंटरव्यू के दौरान नाटो सहयोगियों पर बयान दिया था। ट्रंप ने कहा, 'हमें उनकी कभी जरूरत नहीं पड़ी, हमने उनसे कभी कुछ नहीं मांगा। वे कहेंगे कि उन्होंने अफगानिस्तान में कुछ सैनिक भेजे, लेकिन वे थोड़ा पीछे और अग्रिम मोर्चों से कुछ दूर रहे। 'डोनाल्ड ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्हें इस बात को लेकर संदेह है कि अगर कभी मदद मांगी गई तो नाटो अमेरिका का साथ देगा या नहीं।

ओली के सार्वजनिक बहस प्रस्ताव को बालेन शाह ने ठुकराया

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के चुनाव में प्रधानमंत्री पद के दावेदारों के बीच सार्वजनिक बहस कराने की मांग को पूर्व प्रधानमंत्री केपी ओली ने स्वीकार किया है जबकि उनके इस प्रस्ताव को एक अन्य उम्मीदवार बालेन शाह ने खारिज कर दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने अन्य प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवारों के साथ सार्वजनिक बहस (डिबेट) में भाग लेने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा कि देश के सामने मौजूद विकल्पों को स्पष्ट करने के लिए पारदर्शी और प्रत्यक्ष बहस जरूरी है, जिसमें दलों के एजेंडे, उनकी पूर्व उपलब्धियाँ और भविष्य की योजनाएँ जनता के सामने लाई जाएँ। सोशल मीडिया पर लिखते हुए ओली ने कहा, 'देश को जलाने वालों और देश को बनाने वालों के बीच इस प्रतिस्पर्धा में हमारी पार्टी, सीपीएन-यूएमएल, देश बनाने के पक्ष में खड़ी है। ' उन्होंने बताया कि कई प्रबुद्ध वर्गों से उन्हें यह संदेश मिला है कि जनता के बीच पार्टी नेताओं के बीच खुली बहस की माँग बढ़ रही है। ओली के अनुसार, कुछ दल सोशल मीडिया प्रचार के सहारे अपनी वास्तविक पहचान छिपाने की कोशिश कर सकते हैं, इसलिए प्रत्यक्ष बहस और

भी जरूरी हो गई है। ओली ने कहा, 'इस वर्ष के चुनाव में ऐतिहासिक दलों के साथ-साथ पिछले चुनावों में बने दल और कुछ नए दलों ने भी अपने प्रधानमंत्री उम्मीदवार उतारे हैं। देश का नेतृत्व करने वाले दलों के एजेंडे, उनके अतीत के योगदान और भविष्य के रोडमैप को जानना जनता का अधिकार है। इन विषयों पर आमने-सामने की बहस बेहद सकारात्मक होगी। ' उन्होंने स्पष्ट किया कि वे अपनी पार्टी की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं को सार्वजनिक मंच पर रखने के लिए तैयार हैं और सभी प्रधानमंत्री उम्मीदवारों को एक मंच पर लाकर उनसे सीधे सवाल किए जाने के पक्ष में हैं।हालाँकि, काठमांडू महानगर के पूर्व मेयर और राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (आरएसपी) की ओर से 5 मार्च के चुनाव के लिए प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बालेन शाह ने ओली के साथ सार्वजनिक बहस में शामिल होने से इनकार कर दिया है। बालेन शाह ने ओली के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वे ऐसी बहस में भाग नहीं लेंगे क्योंकि सोशल मीडिया पर उन्हें आतंकवादी या 'देश जलाने वाला' बताकर बदनाम किया जा रहा है। शाह ने 8 सितंबर को 76 बच्चों की मौत और 9 सितंबर को हुई आगजनी की घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि इन त्रासदियों की जिम्मेदारी जिन पर वह डालते हैं, उनके साथ वे एक मंच साझा नहीं कर सकते।

अमेरिका में बर्फीले तूफान से जनजीवन अस्त-व्यस्त, 20 से अधिक राज्यों में इमरजेंसी

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के बड़े हिस्से में आए भंयकर शीतकालीन तूफान ने भारी बर्फ और जमाव वाली बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। कई इलाकों में तापमान सामान्य से बहुत नीचे चला गया। इस वजह से हजारों घरों की बिजली गुल हो गई और 20 से ज्यादा राज्यों में आपात स्थिति घोषित करनी पड़ी। मीडिया रिपोर्टों और सरकारी अधिकारियों के अनुसार, करीब 19 करोड़ लोग, यानी अमेरिका की आधी से ज्यादा आबादी, 37 राज्यों में ठंड और खराब मौसम की चेतावनी के दायरे में रहे। रॉकी पर्वत से लेकर न्यू इंग्लैंड तक बर्फबारी और ठंड का असर देखा गया। न्यू मैक्सिको से टेनेसी घाटी तक बर्फ और ओले की जमाने वाली बारिश हुई, जबकि मिडवेस्ट और मिड-अटलांटिक के कई इलाकों में भारी हिमपात दर्ज किया गया। इस तूफान के कारण मध्य और पूर्वी अमेरिका में जबरदस्त ठंड पड़ी। कई जगहों पर ठंडी हवाओं के साथ तापमान माइनस 20 से

माइनस 30 डिग्री तक महसूस किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, तापमान सामान्य से 10 से 40 डिग्री तक नीचे चला गया।बर्फ और जमाव के कारण बिजली की लाइनें टूट गईं और ढांचे को नुकसान पहुंचा। शनिवार तक पूरे देश में करीब एक लाख 32 हजार से ज्यादा घरों में बिजली नहीं थी। सबसे ज़्यादा असर साउथ और साउथवेस्ट के इलाकों पर पड़ा, जिसमें टेक्सास, लुइसियाना और न्यू मैक्सिको शामिल हैं। टेक्सास में शनिवार दोपहर तक 57 हजार से ज्यादा उपभोक्ताओं की बिजली गुल थी, जबकि लुइज़ियाना में 45 हजार से अधिक घर और संस्थान बिना बिजली के थे। अधिकारियों ने बताया कि लुइज़ियाना के उत्तरी हिस्सों में हालात ज्यादा खराब रहे। तूफान की वजह से यात्रा व्यवस्था भी बुरी तरह प्रभावित हुई, खासकर हवाई सेवाएं। वीकेंड में देशभर में 9 हजार से ज्यादा उड़ानें रद्द करनी पड़ीं और आगे भी रद्द होने की आशंका जताई गई। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि रविवार अमेरिका के विमानन इतिहास में मौसम के कारण उड़ानों के लिए सबसे खराब दिनों में से एक हो सकता है। अधिकारियों ने कहा कि डलास-फोर्ट वर्थ, शार्लेट और नैशविले के एयरपोर्ट सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। जैसे-जैसे हालात बिगड़ते गए, इमरजेंसी की घोषणाएं तेजी से फैलती गईं। कम से कम 20 राज्यों, जिनमें टेक्सास, न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी, पेन्सिलवेनिया, जॉर्जिया, कैरोलिनास, वर्जीनिया और कई मिडवेस्टर्न और दक्षिणी राज्य शामिल हैं, ने इमरजेंसी की घोषणा की।

यूक्रेन युद्ध पर पहली त्रिपक्षीय वार्ता : अबू धाबी में यूक्रेन-रूस-अमेरिका की बातचीत 'रचनात्मक'

एजेंसी

अबू धाबी। यूक्रेन में जारी युद्ध को समाप्त करने के उद्देश्य से यूक्रेन, रूस और अमेरिका के बीच हुई पहली त्रिपक्षीय वार्ता को यूक्रेन ने 'रचनात्मक' करार दिया है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की मेजबानी में हुई यह दो दिवसीय बैठक समाप्त हुई, जिसमें तीनों देशों के प्रतिनिधियों ने 2022 में रूस-यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद पहली बार एक ही मंच पर सीधी बातचीत की। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बयान में कहा कि बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई और यह सकारात्मक संकेत है कि बातचीत रचनात्मक माहौल में हुई। उन्होंने संकेत दिया कि अगली बैठक अगले सप्ताह तक हो सकती है। जेलेंस्की के अनुसार, चर्चा का मुख्य केंद्र युद्ध समाप्त करने के संभावित ढांचे और उससे जुड़ी सुरक्षा शर्तें रहीं। अमेरिकी प्रतिनिधियों ने इन बिंदुओं को औपचारिक रूप देने का सुझाव भी रखा।यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा कि सभी पक्षों ने सहमति जताई है कि वे वार्ता के विभिन्न पहलुओं पर अपने-अपने देशों में नेतृत्व को रिपोर्ट देंगे और आगे की रणनीति पर समन्वय करेंगे। यदि आगे बढ़ने की तत्परता बनी रहती है, तो अतिरिक्त बैठकें शीघ्र संभव हैं। यूएई सरकार के प्रवक्ता ने भी बातचीत को सकारात्मक बताते हुए कहा कि अमेरिकी प्रस्तावित शांति ढांचे के विभिन्न पहलुओं पर यूक्रेन और रूस के प्रतिनिधियों के बीच सीधा संवाद हुआ। साथ ही उन्होंने इस पहल को आगे बढ़ाने में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका की सराहना की।

अमेरिका ने अपनी रक्षा रणनीति में चीन और इंडो-पैसिफिक को पहली प्राथमिकता दी

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका ने चीन और इंडो-पैसिफिक को लेकर एक अहम कदम उठाया है। चीन और हिंद-प्रशांत क्षेत्र को अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा योजना के केंद्र में रखा गया है। रक्षा विभाग की ओर से जारी 2026 की राष्ट्रीय रक्षा रणनीति में यह भी चेतावनी दी गई है कि इस क्षेत्र पर नियंत्रण से वैश्विक आर्थिक शक्ति तय होगी और यह सीधे तौर पर अमेरिका की सुरक्षा, स्वतंत्रता व समृद्धि को आकार देगा। रणनीति में कहा गया है कि हिंद-प्रशांत जल्द ही वैश्विक अर्थव्यवस्था के आधे से अधिक क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेगा, जिससे इस क्षेत्र तक अमेरिका की पहुंच एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय हित बन जाएगी। इसमें चेतावनी दी गई है कि अगर चीन या दूसरी शक्ति इस क्षेत्र पर हावी होती है तो वह दुनिया के आर्थिक केंद्र तक अमेरिकियों की पहुंच को प्रभावी रूप से वीटो करने की क्षमता हासिल कर

लेगी, जिसके अमेरिका की आर्थिक मजबूती और औद्योगिक पुनरुत्थान पर लंबे समय तक असर पड़ेंगे। रक्षा विभाग की डिफेंस स्ट्रैटेजी में चीन को दुनिया का दूसरा सबसे शक्तिशाली देश बताते हुए उसकी सैन्य वृद्धि की गति, पैमाने और गुणवत्ता का जिक्र किया गया है। खासकर उन फोर्स पर जिन्हें पश्चिमी प्रशांत और उससे आगे के ऑपरेशन्स के लिए तैयार किया गया है। चीन की आंतरिक चुनौतियों को स्वीकार करते हुए अमेरिकी रक्षा रणनीति में कहा गया है कि बीजिंग ने यह दिखाया है कि वह अपनी सेना पर और अधिक खर्च कर सकता है और उसे प्रभावी ढंग से कर सकता है। 26 पन्नों की इस अघोषित रणनीति में यह भी कहा गया है कि वाशिंगटन का मकसद टकराव या शासन परिवर्तन नहीं है, बल्कि किसी एक शक्ति को क्षेत्र पर हावी होने से रोकना है। इसमें कहा गया है, 'हमारा लक्ष्य सरल है: चीन सहित किसी को भी हम पर या हमारे सहयोगियों पर हावी होने से रोकना। ' इसके साथ ही, डिफेंस स्ट्रैटेजी में स्पष्ट किया गया है कि अमेरिका 'चीन पर हावी' नहीं होना चाहता, न ही उन्हें दबाना या अपमानित करना चाहता है। पेंटागन का कहना है कि वह 'डिटरेंस बाय डिनायल' की रणनीति अपनाएगा, जिसका मकसद यह पक्का करना है कि हमला शुरू होने से पहले ही नाकाम हो जाए। इस दृष्टिकोण के तहत अमेरिका 'फर्स्ट आइलैंड चेन के साथ एक मजबूत बचाव प्रणाली' बनाएगा।

राकी शिया गठबंधन ने नूरी अल-मलिकी को प्रधानमंत्री पद के लिए किया नामित

एजेंसी

बगदाद। इराक की राजनीति में एक अहम घटनाक्रम सामने आया है। देश की संसद में बहुमत रखने वाले शिया राजनीतिक गुटों के गठबंधन कोऑर्डिनेशन फ्रेमवर्क ने पूर्व प्रधानमंत्री नूरी अल-मालिकी को एक बार फिर प्रधानमंत्री पद के लिए अपना आधिकारिक उम्मीदवार घोषित किया है। इस फैसले के साथ ही इराक में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है।गठबंधन की ओर से जारी बयान में कहा गया कि नूरी अल-मालिकी को उनके लंबे राजनीतिक अनुभव, प्रशासनिक क्षमता और राज्य संचालन में भूमिका को देखते हुए चुना गया है। इस नामांकन के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच सरकार गठन को लेकर बातचीत शुरू होने की उम्मीद है। नई सरकार के सामने कई जटिल चुनौतियां होंगी। एक ओर उसे ईरान समर्थित सशस्त्र गुटों को नियंत्रित करना होगा, जो अक्सर राज्य से अधिक अपने नेतृत्व के प्रति जवाबदेह माने जाते हैं, वहीं दूसरी ओर अमेरिका की ओर से इन मिलिशियाओं को समाप्त करने का बढ़ता दबाव भी झेलना पड़ेगा। इसके साथ ही अमेरिका और ईरान के बीच संतुलन बनाए रखना भी नई सरकार के लिए एक बड़ी कूटनीतिक चुनौती होगी। इराकी संविधान के अनुसार संसद ने अपने पहले सत्र में 29 दिसंबर को स्पीकर और दो उपाध्यक्षों का चुनाव कर लिया था। इसके बाद संसद को 30 दिनों के भीतर नए राष्ट्रपति का चयन करना है। राष्ट्रपति नियुक्त होने के बाद सबसे बड़े संसदीय गठबंधन को सरकार गठन की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। नूरी अल-मालिकी इससे पहले 2006 से 2014 तक दो कार्यकालों तक इराक के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। उनका कार्यकाल सांप्रदायिक हिंसा, सुन्नी और कुर्द गुटों के साथ सत्ता संघर्ष और अमेरिका के साथ तनावपूर्ण संबंधों के लिए जाना जाता है। वर्ष 2014 में इस्लामिक स्टेट (आईएस) द्वारा देश के बड़े हिस्से पर कब्ज़ा किए जाने के बाद उन्हें पद छोड़ना पड़ा था। हालांकि, सत्ता से हटने के बावजूद अल-मालिकी इराकी राजनीति में प्रभावशाली बने रहे। वे स्टेट ऑफ लॉ गठबंधन का नेतृत्व करते हैं और ईरान समर्थित गुटों के साथ उनके करीबी संबंध माने जाते हैं। आलोचकों का आरोप है कि उनके कार्यकाल में सांप्रदायिक विभाजन गहराया और आईएस के उभार को समय रहते रोका नहीं जा सका।

राजनीति विज्ञानी एवं महान लेखक माइकल परेंटी का निधन

एजेंसी

कैलिफोर्निया। अमेरिकी राजनीतिक वैज्ञानिक, लेखक और शिक्षक माइकल परेंटी (92 वर्ष) का शनिवार को यहां उनके आवास पर निधन हो गया। उनकी मृत्यु की जानकारी उनके पुत्र क्रिश्चियन परेंटी ने देते हुए बताया कि पिछले कुछ वर्षों से वे डिमेंशिया (भूलने की बीमारी) से जूझ रहे थे। श्री परेंटी की लेखनी साम्राज्यवाद, पूंजीवाद और कॉर्पोरेट साम्राज्यवाद के खिलाफ खूब चली और इस बात पर जोर देने के समर्थक थे कि राजनीति को वर्गीय हितों और हालात के नजरिये से देखा एवं जांचा जाना चाहिए। न्यूयॉर्क में 30 सितंबर 1933 को जन्मे श्री परेंटी ने 'डेमोक्रेसी फॉर द फ्यू', 'इन्वेंटिंग रियलिटी' और 'ब्लैक शर्ट्स एड रेड्स' जैसी प्रभावशाली पुस्तकें लिखीं। उन्होंने शैक्षणिक शोध को एक ऐसी वाद-विवादात्मक शैली के साथ जोड़ा, जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालय के दायरे से बाहर के पाठकों तक पहुंचना था। उनके कार्यों ने अमेरिकी विदेश नीति, मीडिया की भूमिका और उदार लोकतंत्र के स्वरूप पर स्थापित विमर्शों को चुनौती दी। प्रतिभाशाली वक्ता श्री परेंटी को उनकी इस क्षमता के लिए भी सराहा जाता था कि वे जटिल राजनीतिक और ऐतिहासिक तर्कों को उनके मूल तत्व से समझौता किये बिना सरल और सुलभ बना देते थे।

ट्रंप ने कनाडा पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की दी धमकी, तो मार्क कार्नी ने किया पलटवार

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा को चेतावनी दी है कि अगर उसने चीन के साथ व्यापार समझौता आगे बढ़ाया, तो अमेरिका कनाडा से आने वाले सभी सामानों पर 100 प्रतिशत टैक्स (टैरिफ) लगा देगा। वहीं इसके जवाब में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने पलटवार किया है और देशवासियों से कनाडा में ही बने सामान खरीदने और स्थानीय उद्योगों को मजबूत करने की अपील की है। ट्रंप की यह चेतावनी ऐसे समय में आई है, जब कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी हाल ही में चीन की राजधानी बीजिंग गए थे। इस दौरे में दोनों देशों के बीच एक समझौता हुआ, जिसके तहत कनाडा ने चीनी इलेक्ट्रिक वाहनों पर लगाए गए टैक्स को कुछ हद तक कम करने का फैसला किया। बदले में चीन ने कनाडा के कृषि उत्पादों पर लगाए गए जवाबी टैक्स घटाने पर सहमति दी। इस समझौते के बाद ट्रंप और ज्यादा नाराज हो गए। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अगर कनाडा चीन के सामान को अमेरिका भेजने का रास्ता बनता है, तो अमेरिका इसे कभी स्वीकार नहीं

करेगा। ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर कनाडा ने चीन के साथ सौदा किया, तो चीन धीरे-धीरे कनाडा के कारोबार, समाज और जीवनशैली को नुकसान पहुंचा सकता है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि ऐसा होते ही अमेरिका कनाडा के सभी उत्पादों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगा देगा। अमेरिका और कनाडा के रिश्ते उस समय से खराब होते जा रहे हैं, जब से ट्रंप दोबारा राष्ट्रपति बने हैं। ट्रंप पहले भी कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने जैसी बातें कह चुके हैं और ग्रीनलैंड को लेकर भी विवादित बयान दे चुके हैं। इसी बीच ट्रंप की धमकी के जवाब में प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने 'बाई कैनेडियन' नीति को आगे बढ़ाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि कनाडा को अपने देश में बने सामान खरीदने, स्थानीय उद्योगों को मजबूत करने और आत्मनिर्भर बनने पर ध्यान देना चाहिए। कार्नी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर करते हुए कहा कि कनाडाई लोगों को अपने पैसे कनाडाई कंपनियों और कामगारों पर खर्च करने चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार भी अब इसी दिशा में काम कर रही है। इन हालातों के बीच कनाडा अब अमेरिका पर निर्भरता कम करना चाहता है। कनाडा ने लक्ष्य रखा है कि वह 2030 तक चीन को अपने निर्यात में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी करेगा। प्रधानमंत्री कार्नी ने यह भी कहा है कि आने वाले वर्षों में कनाडा अमेरिका के अलावा दूसरे देशों के साथ व्यापार बढ़ाएगा।

खबर है कि वे जल्द भारत का दौरा भी कर सकते हैं। दिसंबर 2025 में शुरू की गई 'बाई कैनेडियन' नीति का मकसद देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और विदेशी दबाव से बचना है। अमेरिका और कनाडा के बीच तनाव तब और बढ़ गया, जब कनाडा ने ट्रंप की ग्रीनलैंड में मिसाइल डिफेंस सिस्टम लगाने की योजना का विरोध किया।

page 1 and 8 jan 26_page 1 Mar 25 final ds.qxd 1/25/2026 8:47 PM Page 2

सूचित एवं सक्रिय नागरिक भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को सशक्त बनाने की कुंजी :उपराज्यपाल लद्दाख

- माय इंडिया, माय वोट' हर नागरिक की शक्ति को दर्शाता है– कविंदर
- हर वोट राष्ट्र के विकास और प्राथमिकताओं को तय करने में निर्णायक भूमिका निभाता है
- विकसित भारत 2047 के लिए युवाओं को राष्ट्र निर्माण की जिम्मेदारी निभानी होगी
- नए मतदाताओं से संबंधित बीएलओ के माध्यम से पंजीकरण कराने की अपील
- राष्ट्रीय मतदाता दिवस शिविर का वर्चुअल उद्घाटन, पहली बार मतदान करने वालों को ईपीआईसी वितरित

लेह, 25 जनवरी। 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर लद्दाख के माननीय उपराज्यपाल श्री कविंदर गुप्ता ने भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने में सूचित एवं सक्रिय नागरिकों की अहम भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने नागरिक जागरूकता और निर्वाचन प्रक्रिया में जिम्मेदार भागीदारी का आह्वान किया।

उपराज्यपाल एपीजे अब्दुल कलाम एक्सटेंशन सेंटर ऑडिटोरियम हॉल में आयोजित 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस वर्ष के आयोजन की थीम माय इंडिया, माय वोट रही, जिसका टैगलाइन था — भारतीय लोकतंत्र के केंद्र में नागरिक।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने इस वर्ष की थीम के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि लोकतंत्र केवल संस्थानों से नहीं, बल्कि प्रत्येक मतदाता की जागरूक भागीदारी से शुरू होता है। उन्होंने कहा कि हर एक वोट देश के विकास, प्राथमिकताओं और भविष्य की दिशा तय करने में निर्णायक भूमिका निभाता है।

उपराज्यपाल ने कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद लोकतंत्र में अटूट विश्वास रखने के लिए लद्दाख की जनता की सराहना की। उन्होंने कहा कि लद्दाख लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता का एक सशक्त उदाहरण है और कठिन भू-भाग कभी भी लोकतांत्रिक भावना को कमजोर नहीं कर सकता।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन का उल्लेख करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति

जनभागीदारी में निहित है, विशेषकर मतदान के माध्यम से। उन्होंने युवाओं से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय रूप से जुड़ने का आह्वान किया और कहा कि युवा मतदाता न केवल वर्तमान के भागीदार हैं बल्कि भारत के भविष्य के निर्माता भी हैं।

पहली बार मतदान करने वाले युवाओं को संबोधित करते हुए श्री कविंदर गुप्ता ने युवा पीढ़ी की क्षमता पर विश्वास जताया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 का लक्ष्य मुख्यतः आज के युवाओं पर निर्भर करेगा, विशेषकर लद्दाख के युवाओं पर, जिसे वर्ष 2019 में एक अलग प्रशासनिक पहचान प्राप्त हुई।

उपराज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि लद्दाख का विकास उसकी विशिष्ट संस्कृति, परंपराओं और संवेदनशील पर्यावरण के संरक्षण के साथ होना चाहिए।

उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे लद्दाख को आधुनिक, समृद्ध और आत्मनिर्भर क्षेत्र बनाने के लिए कार्य करें, साथ ही इसकी पारिस्थितिकी और सांस्कृतिक विरासत को भी संरक्षित रखें।

उन्होंने सभी पात्र नागरिकों से निर्वाचन नामावली शुद्धिकरण प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करने की अपील की तथा 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके नए मतदाताओं को संबंधित बूथ लेवल अधिकारियों के माध्यम से पंजीकरण कराने के लिए प्रेरित किया।

उपराज्यपाल ने भारतीय निर्वाचन आयोग, जिला प्रशासन, बूथ लेवल अधिकारियों, स्वयंसेवकों और सुरक्षा बलों के प्रति आभार व्यक्त किया, जिनके प्रयासों से क्षेत्र में स्वतंत्र, निष्पक्ष और सुचारू चुनाव संपन्न होते हैं।

अपने संबोधन के समापन पर उपराज्यपाल ने सामूहिक रूप से यह संकल्प लेने का आह्वान किया कि हम स्वयं मतदान करेंगे, दूसरों को भी प्रेरित करेंगे, लोकतांत्रिक मूल्यों—एकता और निष्पक्षता—को बनाए रखेंगे तथा एक सशक्त, समावेशी और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देंगे, ताकि लद्दाख का प्रत्येक पात्र नागरिक पंजीकृत, जागरूक और सशक्त हो।

इससे पूर्व, उपराज्यपाल ने लेह के मुख्य बाजार में 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस विशेष शिविर स्टॉल का वर्चुअल उद्घाटन किया, 10 पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं को ईपीआईसी कार्ड वितरित किए तथा दिव्यांगजनों के कल्याण हेतु PAGIR को 10 लाख अनुदान देने की घोषणा की।

मुख्य सचिव श्री आशीष कुंद्रा ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस को लोकतंत्र के उत्सव का विशेष अवसर बताया। उन्होंने स्वतंत्रता के बाद भारत द्वारा लोकतंत्र को अपनाने के निर्णय को याद किया और हर पाँच वर्ष में निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए निर्वाचन आयोग की सराहना की। उन्होंने चुनावी तंत्र को मजबूत करने में चुनाव अधिकारियों की भूमिका को भी रेखांकित किया।

यह कहते हुए कि हर वोट मायने रखता है, उन्होंने मतदाता पंजीकरण विशेषकर युवाओं और पहली बार मतदान करने वालों के नामांकन पर जोर दिया। उन्होंने स्कूल एवं उच्च शिक्षा विभागों को विद्यालयों और महाविद्यालयों में पंजीकरण अभियान चलाने के निर्देश दिए और सभी नागरिकों से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की।

राज्य निर्वाचन आइकॉन—प्रसिद्ध गायक व अभिनेता फोंसोक लद्दाखी, प्रसिद्ध फिल्म निर्माता स्तांजिन दोरजे ज्ञा और PAGIR से त्सेवांग दोरजे—ने भी अपने अनुभव साझा किए और लोकसभा चुनावों के दौरान लद्दाख की जनता को मतदान के लिए प्रेरित करने में अपनी भूमिका पर प्रकाश डाला।

इससे पूर्व, उपायुक्त लेह एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने और निर्वाचन प्रक्रिया में जिम्मेदार भागीदारी का मतदाता शपथ ग्रहण भी कराया गया। शावा म्यूजिकल बैंड ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में प्रशासनिक सचिव श्रीमती भानु प्रभा, एडीसी लेह श्री गुलाम मोहम्मद, DIHAR के वैज्ञानिक श्री निलेश शर्मा, बूथ लेवल अधिकारी, पहली बार मतदान करने वाले मतदाता एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस–युवाओं से मतदान में सक्रिय भागीदारी की अपील

कठुआ, 25 जनवरी (हि.स.)। जिला निर्वाचन कार्यालय कठुआ द्वारा 16वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस राजकीय डिग्री कॉलेज (बॉयज) कठुआ के ऑडिटोरियम में उत्साहपूर्वक मनाया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करना और विशेष रूप से युवाओं को जागरूक एवं जिम्मेदार मतदान के लिए प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अतिरिक्त उपायुक्त कठुआ सुरिंदर मोहन शर्मा ने दीप प्रज्वलन कर किया। इस अवसर पर एडीसी कठुआ विशवजीत सिंह, ईआरओ कठुआ, ईआरओ जसरोटा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, शिक्षक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान संगोष्ठी, स्किट और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदान के महत्व, नैतिक चुनावी भागीदारी और युवाओं की भूमिका पर प्रभावी संदेश दिए गए। प्रतिभागियों ने हस्ताक्षर अभियान में भाग लिया और मतदाता शपथ भी ली।

संगोष्ठी प्रतियोगिता में लक्ष्मी (जीडीसी महिला) ने प्रथम, नैन्सी कांगोतरा ने द्वितीय और सुमन शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं व प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में एडीसी सुरिंदर मोहन शर्मा ने प्रथम बार मतदान करने वाले युवाओं से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी की अपील करते हुए अधिकतम मतदान प्रतिशत को मजबूत लोकतंत्र की नींव बताया।

दो दिन बाद खुला श्रीनगर–जम्मू नेशनल हाईवे

जम्मू,, 25 जनवरी (हि.स.)। खराब मौसम और सड़क बाधाओं के कारण दो दिनों तक बंद रहने के बाद श्रीनगर–जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच–44) को यातायात के लिए फिर से खोल दिया गया है जिससे यात्रियों को बड़ी राहत मिली है। काज़ीगुंड–कुलगाम के डीएसपी ट्रैफिक मोहम्मद असलम ने जानकारी देते हुए बताया कि काज़ीगुंड और आसपास फंसे हल्के मोटर वाहनों को उनके गंतव्यों की ओर जाने की अनुमति दे दी गई है।

उन्होंने कहा कि ट्रैफिक कर्मियों को संवेदनशील स्थानों पर तैनात किया गया है ताकि यातायात को सुचारु रूप से नियंत्रित किया जा सके और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो। उन्होंने वाहन चालकों को लेन अनुशासन बनाए रखने ट्रैफिक एडवाइजरी का पालन करने और विशेष रूप से संवेदनशील इलाकों में सावधानी बरतने की सलाह दी। सड़क रखरखाव एजेंसियों और ट्रैफिक पुलिस की लगातार कोशिशों के बाद बर्फ और मलबा हटाकर राजमार्ग को सुरक्षित बनाया गया।